सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 130 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 22 फरवरी 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

किसान आंदोलन पर बोले कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा- कुछ मुद्दों पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत की जरूरत

नईदिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा किसानों के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि किसानों के साथ किसानों के मुद्दे पर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। किसानों को समझाया गया है कि चर्चा के जरिए हल निकाला जाएगा। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, हमने उन्हें बताया है कि केवल चर्चा से ही इस मामले का हल निकाला जाएगा। हमें एक साथ मिलकर हल निकालना चाहिए, जिससे की ये सबसे लिए लाभदायक हो। मुझे उम्मीद है कि एकसाथ हम हल निकाल लेंगे।

किसानों के दिल्ली कूच को लेकर अर्जुन मुंडा ने कहा, मैं कहना चाहूंगा कि किसानों के साथ कई दौर की बातचीत हुई। कुछ मुद्दों की सहमति के लिए दोनों पक्षों को और मेहनत करनी होगी। उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार किसानों के हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है और वह ऐसा ही कर रही है।

सीबीआई का जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल मलिक के परिसरों समेत 30 से ज्यादा से ठिकानों पर छापा

नईदिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के खिलाफ सीबीआई ने कार्रवाई की है। सीबीआई ने उनके परिसरों समेत 30 से अधिक स्थानों पर छापेमारी की है। न्यूज एजेंसी एएनआई सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली में गुरुवार सुबह से मलिक के यहां कार्रवाई चल रही है।

जानकारी मिली है कि जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के दिल्ली स्थित घर पर CBI ने छापेमारी की है। दरअसल, सीबीआई ने हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट मामले में यह छापा मारा है। बीमा घोटाले में सीबीआई मलिक के खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है। बीमा घोटाले के मामले में सीबीआई सत्यपाल मलिक और उनके करीबियों के ठिकानों पर छापा मार चुकी है। साल 2019 में किश्तवाड़ में किरू हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट के लिए 2,200 करोड़ के सिविल काम का ठेका देने में कथित भ्रष्टाचार हुआ था। सत्यपाल मलिक, जो 23 अगस्त, 2018 से 30 अक्तूबर 2019 तक जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल रहे थे। मलिक का आरोप था कि उन्हें परियोजना से संबंधित दो फाइलों को मंजूरी देने के लिए 300 करोड़ की रिश्वत की पेशकश की गई थी।

मेला आयोजन के लिए तीन नगरीय निकायों को 45 लाख रुपए जारी

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर विभाग ने मेलों के आयोजन के लिए 45 लाख रुपए जारी किए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा रतनपुर नगर पालिका को माघी पूर्णिमा मेला के लिए 15 लाख रुपए तथा राजिम कुंभ मेला आयोजन के लिए राजिम नगर पंचायत को 15 लाख रुपए एवं गोबरा नवापारा नगर पालिका को 15 लाख रुपए जारी किए गए हैं।

इस बार दुर्ग को मिलेगा नया, युवा सांसद!

- भाजपा व कांग्रेस दोनों दल इस बार नए चेहरे पर लगा सकते हैं दाँव
- साहू-कुर्मी समाजों का समर्थन तय करेगा चुनाव के नतीजे

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

दुर्ग। चल रही अटकलों पर भरोसा करें तो दुर्ग लोकसभा क्षेत्र का अगला सांसद नया और युवा चेहरा हो सकता है। दरअसल, दोनों ही दल इस बार नए चेहरों पर दाँव लगाने की मानसिकता में हैं। दुर्ग लोकसभा का चुनाव नतीजा पूरी तरह से सामाजिक वोटों पर निर्भर करता है। ऐसे में 33 फीसदी आबादी वाले साहू और 22 फीसद आबादी वाले कुर्मियों का समर्थन काफी मायने रखता है। हालांकि नतीजों को पलटने में कुछ हद तक यादव और सतनामी समाज की भूमिका भी अहम् होती है। 2009 में सामाजिक वोटों से अलग भाजपा ने सामान्य वर्ग से प्रत्याशी दिया था, जिसे दुर्ग के मतदाताओं ने भरपूर समर्थन देकर जीत दिलाई। लेकिन कुल मिलाकर दुर्ग लोकसभा की राजनीति साहू और कुर्मी समाज के इर्द-गिर्द ही घूमती है। वर्तमान में दुर्ग सीट भाजपा के पास है और कुर्मी चेहरे के रूप में विजय बघेल दुर्ग लोकसभा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन मिल रहे संकेत बताते हैं कि पार्टी इस बार साहू चेहरे को मौका दे सकती है। कांग्रेस में भी कमोबेश ऐसी ही स्थिति है।

पृथक छत्तीसगढ़ राज्य बनने से पहले तक छत्तीसगढ़ की दुर्ग लोकसभा सीट कांग्रेस का गढ़ रही। आजादी के बाद से कांग्रेस यहां लगातार जीत का परचम लहराती रही। हालांकि इस बीच दो बार जनता दल के प्रतिनिधि भी निर्वाचित हुए। 1996 में पहली बार यहां से भाजपा के ताराचंद साहू ने जीत हासिल की और उसके बाद लगातार 4 लोकसभा चुनाव उन्होंने जीते। 2009 के चुनाव से ठीक पहले उन्होंने अपनी सांसदी को खूंटे में टांगकर बगावत का बिगूल फूंक दिया। भाजपा ने उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाकर निष्कासित किया तो उन्होंने छत्तीसगढ़ स्वाभिमान मंच की स्थापना कर गैर भाजपा और गैर कांग्रेसी विचारधारा को एकजुट किया। 2009 में उन्होंने बतौर निर्दलीय चुनाव लड़ा। इस चुनाव में भाजपा की युवा नेत्री सरोज पाण्डेय ने जीत दर्ज कर सनसनी फैला दी। जिले की सामाजिक राजनीति के हिसाब से यह नतीजे अलहदा रहे, लेकिन सामान्य वर्ग के प्रत्याशी की जीत की वजह सामाजिक वोटों का बँट जाना रही। निर्दलीय लड़ रहे ताराचंद साहू को साहू समाज का समर्थन मिला, लेकिन कुर्मी वोटर कांग्रेस के पाले में चले गए। ऐसे में दुर्ग को सामाजिक वोटर्स से इतर सामान्य वर्ग का सांसद मिला। हालांकि 2014 के अगले चुनाव में भाजपा का दाँव बुरी तरह नाकाम रहा। कांग्रेस ने ताम्रध्वज साहू के रूप में साहू प्रत्याशी उतारकर मोदी लहर के बावजूद दुर्ग में जीत हासिल की। साहू ने कांग्रेस का 30 वर्षों का सूखा खत्म किया। 2019 की बात करें तो इस चुनाव में दोनों ही दलों ने कुर्मी प्रत्याशी उतारे थे। भाजपा ने विजय बघेल तो कांग्रेस ने प्रतिमा चंद्राकर को प्रत्याशी घोषित किया। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने और सीएम का गृहजिला होने के बाद भी दुर्ग के नतीजे भाजपा के पक्ष में गए।

विधानसभा की 9 सीटें तय करेंगी नतीजे

दुर्ग लोकसभा क्षेत्र में विधानसभा की कुल 9 सीटें शामिल है। इन्हीं 9 सीटों से नतीजे तय होंगे। इनमें दुर्ग जिले की 6 और बेमेतरा जिले की 3 सीटें शामिल है। दुर्ग जिलांतर्गत पाटन, दुर्ग ग्रामीण, दुर्ग शहर, भिलाई नगर, वैशाली नगर और अहिवारा क्षेत्र आते हैं। वहीं बेमेतरा जिले के बेमेतरा, नवागढ़ और साजा विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इन 9 सीटों में से 2 सीटें नवागढ़ व अहिवारा एससी आरक्षित है। हालिया सम्पन्न विधानसभा चुनाव में इन 9 सीटों में से महज 2 सीटों पर ही कांग्रेस को विजय मिली थी। वहीं एससी आरक्षित दोनों सीटें भाजपा के पाले में गई। यदि इन नतीजों के आधार पर आगामी लोकसभा के नतीजों का मूल्यांकन करें तो कांग्रेस को काफी मशक्कत करनी पड़ेगी। वैसे, 9 में से जिन 2 विधानसभा सीटों पर कांग्रेस को जीत मिली, वो दुर्ग जिले की पाटन और भिलाई नगर की सीटें हैं। पाटन से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तो भिलाई नगर सीट से युवा नेता देवेन्द्र यादव ने जीत हासिल की। देवेन्द्र की जीत का अंतर काफी कम रहा।

सिर्फ 2014 में मिली कांग्रेस को जीत

अलग राज्य बनने से पहले 1996 में भाजपा ने दुर्ग में पहली बार जीत का खाता खोला और तब से लेकर अब तक (2019 चुनाव तक) सिर्फ एक बार कांग्रेस को जीत मिली। दरअसल, 2014 में कांग्रेस ने भाजपा की सरोज पाण्डेय (सामान्य वर्ग) के सामने साहू समाज के बड़े चेहरे ताम्रध्वज साहू को उतार दिया था। साहू समाज को आमतौर पर भाजपा समर्थक माना जाता है, लेकिन इस चुनाव में समाज ने एकजुट होकर ताम्रध्वज साहू के लिए वोटिंग की। गौरतलब है कि 2014 में पूरे देश में जबरदस्त मोदी लहर थी। बावजूद इसके भाजपा अपना दुर्ग नहीं बचा पाई। जाहिर है कि सामाजिक वोटों की लामबंदी का फायदा कांग्रेस को मिला। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने सांसद ताम्रध्वज साहू को विधानसभा का चुनाव लड़वाया। जीत के बाद वे प्रदेश के गृहमंत्री बनाए गए। अगले साल 2019 में जब संसदीय चुनाव का शंखनाद हुआ तो कांग्रेस ने प्रतिमा चंद्राकर के रूप में तो भाजपा ने विजय बघेल के रूप में कुर्मी प्रत्याशी दिए। वर्तमान में विजय बघेल दुर्ग संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।

साहू-कुर्मी सियासत से बनते बिगड़ते समीकरण

दुर्ग लोकसभा क्षेत्र में जातिगत समीकरणों को देखा जाए सबसे बड़ी आबादी साहू समाज की है। करीब 33 प्रतिशत वोटर इसी समाज से हैं। कुर्मी वोटर लगभग 22 प्रतिशत हैं। ऐसे में पंद्रह प्रतिशत यादव और सतनामी समाज मिलकर कई बार लोगों के अनुमानों को गलत साबित कर देते हैं। विगत चुनाव में कांग्रेस ने तत्कालीन सीएम भूपेश बघेल की मुंह बोली बहन प्रतिमा चंद्राकर को टिकट दिया था। प्रतिमा चंद्राकर के पिता वासुदेव चंद्राकर विधायक और लम्बे समय तक जिला कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। वे भूपेश बघेल के राजनीतिक गुरू भी थे। लम्बे समय तक दुर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाले और केन्द्र में मंत्री रहे चंदूलाल चंद्राकर परिवार से ताल्लुक रखने वाली प्रतिमा चंद्राकर को उन परिस्थितियों में भी हार मिली, जब हालात पूरी तरह से कांग्रेस के मुफीद थे। वास्तव में पीएम मोदी का चेहरा तमाम सकारात्मक परिस्थितियों पर भारी पड़ गया। विजय बघेल जीते तो भाजपा ने उन्हें कांग्रेस के मुख्यमंत्री विजय बघेल के सामने खड़ा करने की कोशिश की। भूपेश बघेल को घेरने के लिए ही भाजपा ने अपने सांसद विजय बघेल को भूपेश के सामने चुनाव मैदान में उतारा।

बस्तर पहुंचे राजनाथ सिंह, पार्टी नेताओं से की मुलाकात, लोकसभा चुनाव पर की चर्चा

जगदलपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बस्तर पहुँचे थे, जहाँ चुनावी माहौल को देखने के साथ ही कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद एक चुनावी बिगुल की शुरुआत की थी, उस चुनाव के ठीक बाद 22 फरवरी 2024 को रक्षा मंत्री दोबारा बस्तर पहुँचे हैं। यहाँ पहुँचते ही पुराने कार्यकर्ताओं को देखने के बाद उनसे उनकी कुशलक्षेम पूछा और 15 मिनट की बातचीत के बाद ओड़िसा के लिए रवाना हो गए।

दरअसल रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार की सुबह जगदलपुर के मां दंतेश्वरी एयरपोर्ट में हेलीकॉप्टर बदलने के दौरान 15 मिनट रुक कर वहां उनका स्वागत करने के लिए आये कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। राजनाथ सिंह ने ओड़िसा में होने वाली क्लस्टर बैठक में शामिल होने की बात बताई साथ ही वहां एक ही दिन में तीन बैठक लेने के बाद दिल्ली रवाना होने की बात का जिक्र भी किया।

इस 15 मिनट के बातचीत के दौरान रक्षा मंत्री ने लोकसभा चुनाव में पूरी ताकत लगाकर भाजपा को मजबूत करने के साथ ही कार्यकर्ताओं को विचारधारा से लेकर उन्हें मजबूत टीम तैयार करने की बात भी कही। जिस पर टीम लीडरों के द्वारा अपना सौ प्रतिशत देने की बात कही, इसके अलावा रक्षा मंत्री ने पुराने कार्यकर्ताओं को देखकर उनसे बातचीत की और आने वाले दिनों में होने वाले लोकसभा चुनाव में अपने लोगों को विजयी बनाने की बात कही। इस दौरान पूर्व सांसद से लेकर अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह पहुंचे रायपुर

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गुरुवार को छत्तीगसढ़ प्रवास पर पहुंचे। राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने भी केंद्रीय गृहमंत्री का स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ में 33 हजार शिक्षकों की भर्ती की तैयारियां तेज, जल्द होगी टीईटी की परीक्षा

शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने एससीईआरटी को जल्द टीईटी परीक्षा आयोजित कराने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 33 हजार शिक्षकों की भर्ती की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस संबंध में छत्तीसगढ़ के स्कूल धर्मस्व व शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने एसईसीआरटी संचालक राजेंद्र कटारा को राज्य में जल्द से जल्द शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) का आयोजन कराने के निर्देश दिए है।

शिक्षा मंत्री अग्रवाल के निर्देश के बाद एसईसीआरटी ने व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापमं) को पत्र लिखकर राज्य में जल्द से जल्द टीईटी परीक्षा के आयोजन के लिए कहा है।

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल का कहना है कि उन्होंने विधानसभा में राज्य में 33 हजार शिक्षकों की भर्ती की घोषणा की थी। उसी क्रम में राज्य में टीईटी की परीक्षा के आयोजन की तैयारी की जा रही। हमारी सरकार में किसी भी युवा के साथ अन्याय नहीं होगा। ज्यादा से ज्यादा युवा भर्ती प्रक्रिया में शामिल हो सके इसके लिए टीईटी परीक्षा के आयोजन की तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित किया जाएगा।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में करीब 3 साल से टीईटी परीक्षा का आयोजन नहीं हुआ है, जिसके कारण शिक्षक बनने का सपना देखने वाले युवाओं में काफी निराशा है, जिसके चलते युवा अभ्यर्थी शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल को राज्य में टीईटी परीक्षा आयोजित करने के लिए ज्ञापन सौंपा था।

शराब दुकान की दूरी का मायाजाल

श्रीकंचनपथ

शराब का धंधा एक ऐसा धंधा है जिसमें दुकान की दूरी कोई खास मायने नहीं रखती. दुकान शहर के बीच हो, हाईवे पर हो या जंगल में, शराब के शौकीन वहां तक अपनी पहुंच बना ही लेते हैं। शराब दुकानों को लेकर कुछ फिकरे आम हैं जिनपर न तो जनता ज्यादा कान धरती है और न ही पीने वालों को कोई फर्क पड़ता है। शराब दुकान का विरोध करने वाले कहते हैं कि शराब दुकानों के आसपास मनचले खड़े रहते हैं जिसके कारण महिलाओं का वहां से आना जाना मुश्किल हो जाता है। हकीकत इससे परे हैं। अधिकांश लोग अपनी बाटली लेकर चुपचाप नौ-दो ग्यारह हो जाते हैं। कुछ लोग आधे पैसे हाथ में लिये किसी ऐसे साथी का इंतजार करते मिल जाएंगे जो बाकी पैसा मिला दे और दोनों भाई बैठकर पेग-शेग लगा लें। वैसे बैठने की जगह न मिले तो कुछ लोग खड़े-खड़े ही गटक लेते हैं। डिस्पोजेबल ग्लास और 5 रुपए का चखना पैकेट इनकी बदौलत खूब चलता है। वैसे बुरा न मानें तो एक बात कहें? सबसे ज्यादा अनुशासित भीड़ भी शराब दुकानों पर ही नजर आती है। शराब ठेकेदार एक बार हुड़कता है और लोग कतार में लग जाते हैं। इससे ज्यादा हो-हल्ला और मारपीट तो पानी भरने को लेकर हो जाता है। पर एक नियम है जो कहता है कि शराब दुकानों को स्कूल-कालेज, अस्पताल या धार्मिक स्थलों के आसपास नहीं होना चाहिए। यहां आसपास से मतलब 50 मीटर है। 51, 52 या 53 मीटर दूर दुकान खोली जा सकती है। कैसी वाहियात सोच है? स्कूल-कालेज और धार्मिक स्थल से दूरी का यह मकसद होना चाहिए कि वह रास्ते में ही न पड़े। शराब दुकान बेशक इन स्थलों के बगल में हो पर उसका प्रवेश-निकासी मार्ग पिछली गली से होना चाहिए। न दारू वाले भक्तों को देखें और न भक्तों को बेवड़ों के दर्शन हों। रही बात सरकारी स्कूल-कालेजों की तो यहां का तो रिकार्ड ही खराब है। दूर-दराज के स्कूलों में गुरुजी पव्वा लगाकर स्कूल आते हैं। बच्चों को कुछ काम सौंप देते हैं और कुर्सी पर ही ऊंघने लगते हैं। दुकान के पास या दूर होने का उन्हें कोई खास फर्क नहीं पड़ता। अपना स्टाक वो अपनी गाड़ी की डिकी में लेकर चलते हैं। बहरहाल, हाईकोर्ट के संज्ञान के बाद शासन ने 50 मीटर की दूरी को बढ़ाकर 100 मीटर करने का फैसला किया है। शराब दुकानें अब 101, 102 मीटर या उससे अधिक दूरी पर खोली जा सकेंगी। विरोध करने वाले खुश, हाईकोर्ट भी संतुष्ट और सरकार के सिर सेहरा भी। आखिर यह शराब विरोधी सरकार है। शराब के खिलाफ कोई तो कदम उठाना ही था। कुछ धुंधली-धुंधली सी तस्वीरें याद आती हैं। कुछ महिलाएं खूब सज-धज कर सड़क पर बैठी हैं। उनके सामने अंग्रेजी शराब की बोतलें, कांच के गिलास रखे हैं। वे इत्मीनान से पेग तैयार कर रही हैं और इस तरह शराब का विरोध कर रही हैं।

संपादकीय

विदा नरीमन

महान न्यायविद फली सैम नरीमन की विदाई भारत के लिए अपूरणीय क्षति है। वह एक ऐसे न्यायनिष्ठ भारतीय थे, जिनकी रगों में भारतीय संविधान बहता था और जिन्होंने अनगिनत मौकों पर इस देश में न्यायिक जटिलताओं को अपने बुद्धिबल से सुलझा दिया। आधुनिक भारत में जब-जब न्याय का इतिहास लिखा जाएगा, उसमें फली एस नरीमन का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज किया जाएगा। अब यह इतिहास है कि युवा वय में नरीमन ने अंतिम विकल्प के रूप में विधि क्षेत्र को चुना था। 10 जनवरी, 1929 को रंगून में पैदा हुए नरीमन ने नवंबर 1950 में बॉम्बे हाईकोर्ट के वकील के रूप में अपना न्याय जीवन शुरू किया था। लगभग 22 साल उच्च न्यायालय में रहने के बाद वह सर्वोच्च न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नियुक्त किए गए थे। साल 1971 से ही वह सर्वोच्च न्यायालय के महत्वपूर्ण फैसलों में हिस्सेदार बनने लगे थे। लोकतंत्र के प्रति समर्पित नरीमन ने 25 जून, 1975 को आपातकाल लगते ही दूसरे दिन एडिशनल सॉलिसिटर जनरल के पद से इस्तीफा दे दिया था। वह समझ गए थे कि अब संविधान की पालना ऐसे होगी, जिसमें आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। नरीमन के उस दोटूक फैसले को हमेशा याद किया जाएगा। उनकी वह स्पष्टवादिता भारतीय न्यायतंत्र में चार चांद लगाती थी। सर्वोच्च न्यायालय में उनका होना हमें यह एहसास दिलाता था कि न्यायपालिका में अच्छे लोग पूरे दमखम के साथ डटे हैं। एक वकील को अपने जीवन में अनेक प्रकार के मुकदमे लड़ने पड़ते हैं और बहुत कम वकील ऐसे होते हैं, जो अपनी कभी गलती मानते हैं। मिसाल के लिए, भोपाल गैस त्रासदी के लिए जिम्मेदार विदेशी कंपनी यूनियन कार्बाइड की पैरोकारी फली नरीमन ने की थी और अदालत के बाहर ही पीड़ितों के लिए भारी मुआवजा लेने की स्थितियां उन्होंने तैयार की थीं। वह समझ गए थे कि अंतिम फैसला आने में बहुत वक्त लगेगा, अत: जल्दी मुआवजा दिलाकर पीड़ितों को समय रहते राहत पहुंचाने का वह प्रयास आज भी याद है। उनकी अच्छाई का किस्सा यहीं खत्म नहीं हो जाता है, बाद के दिनों में उन्होंने यह माना कि उन्हें यूनियन कार्बाइड की पैरोकारी नहीं करनी चाहिए थी। अनेक दिग्गज वकील हुए हैं, जो बड़े अपराधियों की पैरोकारी बिना किसी संकोच के करते हैं और कभी उनके मुंह से उफ् तक नहीं निकलता। गलती स्वीकारने और न्याय समाज के सामने मिसाल पेश करने की यह 'नरीमन अदा' न्याय की पुस्तकों में सदा दर्ज रहेगी। वह आजाद भारत के संविधान को लागू करने वाली पहली पीढ़ी के अधिवक्ता थे और न्यायपालिका का विशाल क्षेत्र व उसकी कमियां भी उन्हें विचलित करती थीं। सुधार की राह दिखाने के मकसद से उन्होंने एकाधिक किताबों की रचना की थी, इंडियाज लीगल सिस्टम : कैन इट बी सेव्ड? और गॉड सेव द ऑनरेबल सुप्रीम कोर्ट। इन पुस्तकों के नाम से ही उनकी बेमिसाल साफगोई का परिचय मिल जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उचित ही अपनी संवेदना व्यक्त की है कि 'फली नरीमन सबसे उत्कृष्ट कानूनी दिमाग और बुद्धिजीवियों में से थे।' वह पद्म विभूषण से सम्मानित हुए, राज्यसभा में मनोनीत हुए और 70 साल लगातार न्यायपालिका को सेवाएं देने के बाद संसार से गए हैं। न्याय की दुनिया में उन्हें जीवित किंवदंती भी कहा जाता था। अदालत में उनकी मौजूदगी मात्र से मुकदमे जागकर न्याय की ओर बढ़ चलते थे। वह न्याय संसार में प्रेरणास्रोत बने रहेंगे।

> “ एक वकील को अपने जीवन में अनेक प्रकार के मुकदमे लड़ने पड़ते हैं और बहुत कम वकील ऐसे होते हैं, जो अपनी कभी गलती मानते हैं। मिसाल के लिए, भोपाल गैस त्रासदी के लिए जिम्मेदार विदेशी कंपनी यूनियन कार्बाइड की पैरोकारी फली नरीमन ने की थी और अदालत के बाहर ही पीड़ितों के लिए भारी मुआवजा लेने की स्थितियां उन्होंने तैयार की थीं।

लाल सागर का संकट

इस हफ्ते की शुरुआत के साथ यमन के अंसारुल्लाह गुट (जिसे हूती नाम से भी जाना जाता है) ने लाल सागर और आस पास के क्षेत्रों में जोरदार हमले किए हैं। अंसारुल्लाह के मुताबिक रविवार को अदन की खाड़ी में एक ब्रिटिश मालवाही जहाज पर उन्होंने मिसाइलें दागीं, जिनसे जहाज को गंभीर नुकसान पहुंचा। ब्रिटिश अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि ब्रिटिश जहाज के पास विस्फोट हुआ। उन्होंने कहा है कि इस खबर की जांच कराई जा रही है। सोमवार को अंसारुल्लाह ने दो अमेरिकी जहाजों पर निशाना साधा। खबर है कि इन मिसाइलों से इन जहाजों को खासा नुकसान हुआ है। उन्होंने अमेरिका के एक हमलावर एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को भी मार गिराया। गजा में फिलस्तीनियों के नरसंहार के विरोध में हूतियों ने नवंबर में लाल सागर से गुजरने वाले इजराइल से किसी भी प्रकार से संबंधित जहाजों पर हमला करने का एलान किया था। इसके जवाब में पिछले महीने अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में हूती ठिकानों पर हमले शुरू किए।

लेकिन इन हमलों की शुरुआत के महीने भर बाद यह साफ है कि हूतियों पर उसका कोई असर नहीं हुआ है। बल्कि उसके बाद से हूतियों ने ब्रिटेन और अमेरिका से संबंधित जहाजों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ऐसा करने की उनकी क्षमता किस हद तक बरकरार है, इसकी झलक इस हफ्ते फिर देखने को मिली है। इसका कारण यह बताया जाता है कि आठ साल तक सऊदी अरब से चले युद्ध के दौरान हूतियों ने अपने हथियारों और लड़ाकुओं को गुफाओं और पहाड़ों के बीच बने बंकरों में छिपा कर रखने का मजबूत इंतजाम किया हुआ है। अमेरिका और ब्रिटेन के लड़ाकू जहाजों को उन ठिकानों की टोह नहीं है। इस नाकामी से एक नौसैनिक शक्ति के रूप में अमेरिका और ब्रिटेन की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा में सेंध लगी है। चूंकि कारोबारी जहाजों के लिए लाल सागर का रास्ता असुरक्षित हो गया है, तो उसका खराब असर अमेरिका और यूरोपीय अर्थव्यवस्थाओं पर भी हो रहा है। इस रूप में इजराइल का हर हाल में समर्थन करने की नीति की महंगी कीमत पश्चिम को चुकानी पड़ रही है।

यह अच्छा संकेत नहीं

वैसे तो नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों की संख्या में आम तौर पर गिरावट आई है, लेकिन यह गिरावट अल्पसंख्यक समुदायों के मामले में कहीं ज्यादा हुई है। वार्षिक पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) के आंकड़ों के एक ताजा विश्लेषण से सामने आया यह तथ्य भारत में आम खुशहाली के लिहाज से चिंताजनक है। जिस समय वर्तमान राजनीतिक रुझानों के कारण अल्पसंख्यक समुदाय फिक्रमंद हैं, अगर रोजी-रोटी के क्षेत्र में भी उनके भेदभाव का शिकार होने की धारणा बनने लगे, तो सामाजिक सद्भाव पर उसका खराब असर पड़ सकता है। ताजा विश्लेषण में 2018-19 के आंकड़ों की तुलना 2022-23 में उभरी सूरत से की गई है। इस दौरान नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों में हिंदुओं की भी गिरी। 2018-19 में हिंदू श्रम शक्ति का 23.7 प्रतिशत हिस्सा नियमित वेतनभोगी था। जबकि 2022-23 में यह संख्या 21.4 फीसदी रह गई। लेकिन इस दौरान मुसलमानों में यह संख्या 22.1 प्रतिशत से गिर कर 15.3 प्रतिशत पर आ गई।

ईसाइयों में ये तादाद 31.2 फीसदी से गिरकर 28 प्रतिशत रह गई। जबकि सिखों के बीच यह संख्या 28.5 प्रतिशत से 26 फीसदी तक आ गिरी। ये आंकड़े दो तथ्यों को स्पष्ट करते हैँ। पहला तो यह कि भारत में नियमित वेतनभोगी रोजगार के अवसर सिकुड़ते चले जा रहे हैं। अगर सकल श्रम शक्ति की स्थिति पर गौर करें, तो 2018-19 में भारत में 23.8 प्रतिशत श्रमिक नियमित वेतनभोगी थे, जबकि 2022-23 में यह संख्या 20.9 प्रतिशत रह गई। उच्च आर्थिक वृद्धि के दौर में यह रुझान घोर चिंता का विषय है।

> “ विपक्षी गठबंधन के संक्षिप्त नामकरण की आलोचना के अलावा भी सत्ता पक्ष अचानक जिस तरह आक्रामक हुआ, उससे यही लगा कि 28 विपक्षी दलों के स्वत:स्फूर्त भाव से एक बैनर तले आ जाने से बेचैनी तो है। शिवसेना और शिरोमणि अकाली दल के अलगाव के बाद से ठंडे बस्ते में पड़े एनडीए को अचानक सक्रिय करते हुए जिस तरह उसका कुनबा बढ़ाकर 38 किया गया, उसे भी सत्ता पक्ष की बेचैनी का संकेत माना गया।

विपक्ष के हाथों से फिसलता वक्त

राज कुमार सिंह, वरिष्ठ पत्रकार

पांच साल के कार्यकाल वाली संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में दस साल की अवधि कम नहीं होती। दस साल, यानी सत्ता में दो लगातार कार्यकाल। ऐसे में, सत्ता-विरोधी भावना मुखर होने लगती है, विपक्ष हाथ लगे मुद्दों को लेकर आक्रामक नजर आने लगता है और अक्सर सरकार रक्षात्मक मुद्रा में दिखने लगती है। साल 2014 में ऐसा ही दिखा था, पर 2024 में राजनीतिक परिदृश्य चौंकाने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार और भाजपा, दोनों लगातार आक्रामक हैं, जबकि ज्यादातर मौकों पर विपक्ष रक्षात्मक, घबराया हुआ या बिखरा हुआ दिखता है। ऐसा क्यों है?

बेशक एनडीए सरकार ने एक सुनियोजित रणनीति के तहत जन-कल्याणकारी योजनाओं के जरिये विशाल लाभार्थी वर्ग तैयार किया है, पर यह भी एक सार्वभौम सच है कि सभी वर्गों की सभी आकांक्षाएं कभी पूरी नहीं हो पातीं। ऐसे में, अधूरे चुनावी वायदों की याद दिलाकर सत्ता-विरोधी भावनाओं के सहारे चुनावी वैतरणी पार कर लेना विपक्ष के लिए आसान हो जाता है। लगातार दो लोकसभा चुनावों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद 26 विपक्षी दलों ने पिछले साल 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) बनाया, जिसका कुनबा बढ़कर 28 तक पहुंचा, तो लगा कि विपक्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में पूरी तैयारी के साथ उतरना चाहता है।

ध्यान रहे, साल 2019 के लोकसभा चुनाव में जिस तरह भाजपा और राजग की सीटें बढ़कर क्रमश: 303 और 352 हो गईं, उसके लिए नरेंद्र मोदी और अमित शाह की चुनावी रणनीति व प्रबंधन शैली की प्रशंसा की जा सकती है, पर तब भी ज्यादा मत विपक्षी खेमे में ही पड़े थे। जी हां, 2019 में भाजपा और राजग की सीटें बढ़ जाने के बावजूद सच यही है कि उन्हें क्रमश: 37.4 और 45 प्रतिशत मत ही मिले, यानी उनसे ज्यादा मत विरोधी दलों को मिले थे। दस साल में उपजने वाली स्वाभाविक सत्ता-विरोधी भावना के अलावा यह वोट-गणित भी शायद विपक्षी एकता में मुख्य प्रेरक रहा होगा।

विपक्षी गठबंधन के संक्षिप्त नामकरण की आलोचना के अलावा भी सत्ता पक्ष अचानक जिस तरह आक्रामक हुआ, उससे यही लगा कि 28 विपक्षी दलों के स्वत:स्फूर्त भाव से एक बैनर तले आ जाने से बेचैनी तो है। शिवसेना और शिरोमणि अकाली दल के अलगाव के बाद से ठंडे बस्ते में पड़े एनडीए को अचानक सक्रिय करते हुए जिस तरह उसका कुनबा बढ़ाकर 38 किया गया, उसे भी सत्ता पक्ष की बेचैनी का संकेत माना गया। राजनीतिक प्रेक्षक भी मानने लगे कि 2024 का लोकसभा चुनाव पिछले दो चुनावों से पूरी तरह अलग और कड़े मुकाबले वाला होगा। बेलगाम महंगाई और बढ़ती बेरोजगारी के मुद्दे तो सबके सामने थे ही। इस आकलन के मूल में 'इंडिया' के गठन

के वक्त घटक दलों द्वारा व्यक्त व्यापक राष्ट्रहित में निजी महत्वाकांक्षाओं के ही नहीं, बल्कि दलीय हितों के त्याग का भी संकल्प रहा ही होगा, मगर महज सात महीने में विपक्षी गठबंधन ताश के घर की तरह बिखरता नजर आने लगा। इससे विपक्ष के प्रति लोगों का विश्वास कम हो गया। विपक्ष की ओर से बातें तो निजी महत्वाकांक्षाओं और दलीय हितों के त्याग की कही गई थीं, मगर बिखराव का कारण उनके प्रति अति-आग्रह ही बन रहा है। इस अति आग्रह से बचकर ही विपक्ष लाभ में रहेगा। चंडीगढ़ के मेयर चुनाव में क्या हुआ? आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की एकजुटता ने ही भाजपा के पक्ष में हो रही मनमानी को रोक दिया। एकता की ताकत को अरविंद केजरीवाल ने भी माना, पर क्या वह पंजाब में कांग्रेस के लिए लोकसभा सीटें छोड़ने के लिए तैयार होंगे?

यह भूलना मुश्किल है कि कांग्रेस ने पिछले साल हुए राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में घटक दलों को भाव नहीं दिया था, जिसके चलते आप, सपा व जद-यू ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे और फिर करारी मात खाने के बाद भी लोकसभा चुनावों के लिए गठबंधन को गति देने के बजाय वह राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' में जुट गई। फिर घटक दलों से चर्चा करके इस यात्रा को विपक्ष का संयुक्त चुनावी अभियान बनाने के बजाय कांग्रेस ने उनसे यह अपेक्षा की कि वे अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र में इस यात्रा की शोभा बढ़ाएं। एक राजनीतिक दल के रूप में कांग्रेस को अपने कार्यक्रम बनाने और चलाने का पूरा अधिकार है, मगर लोकसभा चुनाव के जिस साझा लक्ष्य के लिए 28 दलों का गठबंधन बनाया गया, उससे ऐन पहले उसी को ताक पर रखकर तो हरगिज नहीं।

आश्चर्य नहीं कि उसके बाद से ही विपक्षी गठबंधन बिखरने लगा। अधीर रंजन चौधरी अपनी ही शैली में कटाक्ष करते हुए दो सीट जीतने वाली कांग्रेस के लिए पांच सीटें मांगते रहे और आलाकमान ने सीधे संवाद की जरूरत नहीं समझी, तो तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल की सभी 42 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का एलान कर दिया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के फिर से पाला बदलने में उन्हें 'इंडिया' का संयोजक न बनाए जाने से उपजी नाराजगी भी बड़ा कारण रही। उत्तर प्रदेश में आरएलडी अलग होकर भाजपा के साथ जा चुकी है, पर किसी तरह से सपा और कांग्रेस के बीच अंतिम समय में सीटों का समझौता हुआ है। उत्तर भारत के एक बड़े क्षत्रप अखिलेश यादव ही साथ हैं, पर दो बड़े क्षत्रप - ममता और नीतीश ने 'इंडिया' को अलविदा कह दिया है।

गठबंधन के हित में कांग्रेस को तेज फैसलों के लिए तैयार रहना चाहिए। इसे चुनाव बाद भी याद किया जाएगा कि राहुल गांधी की यात्रा जब उत्तर प्रदेश पहुंच गई थी और आधी फरवरी बीत गई थी, तब भी सीटों का बंटवारा और गठबंधन, दोनों का भविष्य पहेली बना हुआ था। महाराष्ट्र एक और बड़ा राज्य है, जहां से 48 लोकसभा सांसद चुने जाते हैं, पर शिवसेना और एनसीपी में विभाजन के झटके के बावजूद 'इंडिया' का वहां भी वही हाल है। घटक दल अभी तक दावेदारी में उलझे हैं, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण और पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा कांग्रेस को अलविदा कह चुके हैं।

लोकसभा चुनाव की घोषणा अब बमुश्किल एक पखवाड़ा दूर है, मगर खुद को मजबूत करके भाजपा को कड़ी टक्कर देने का काफी मौका विपक्ष ने गंवा दिया लगता है। महंगाई और बेरोजगारी समेत कई मुद्दे हैं, पर उनका पूरा लाभ उठाकर चुनौती बनने की संभावना विपक्ष के पास कितनी बची है, यह स्वयं विपक्ष को सोचना चाहिए। क्या विपक्षी दल समय रहते अपना घोषणापत्र पेश कर सकते हैं?

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

मखमली आवाज से गीतों को पिरोते थे अमीन सायानी

पवन दुग्गल, सूचना प्रौद्योगिकी मामलों के विशेषज्ञ

बिनाका गीतमाला सुनने वाले सभी संगीत प्रेमियों को सलाम, उपस्थित है, आपका दोस्त, आपका साथी, अमीन सायानी, तो आइए... बहनो और भाइयो, गाना है फिल्म जानेमन से और लता मंगशेकर कह रही हैं, आएगी आएगी आएगी किसी को हमारी याद आएगी...।

किसी गाने के बोल को अपने शब्दों से किस खूबसूरती से पिरो देना है, यह कलाकारी अमीन सायानी से बेहतर शायद ही कोई जानता था। उन दिनों मैं छोटी उम्र का था, लेकिन गीतमाला एक ऐसा कार्यक्रम था, जिसका हम लोग शिद्दत से इंतजार किया करते थे। तब तक देश में टीवी जरूर आ गया था, पर ज्यादातर घरों में रेडियो ही देश-दुनिया से जुड़ने का एकमात्र साधन हुआ करता था। गीतमाला करीब एक घंटे तक चलता और जब अमीन सायानी के शब्द गूंजते, तो घर, बाजार, दुकान में मानो सब कुछ थम जाता। सायानी साहब जिस तरह से फिल्मी दुनिया से जुड़ी छोटी-छोटी कहानियों को आपस में जोड़ा करते, उससे यह प्रोग्राम एक अलग ही मुकाम पर पहुंच जाता। इसीलिए हम एक नई दुनिया में खो जाते थे। लगता, एक ऐसे दोस्त के साथ बैठे हैं, जो हमें नया रास्ता दिखा रहा है। इसी वजह से गीतमाला के कई गाने या धुनें हमें आज तक याद हैं।

अब अमीन सायानी साहब भौतिक रूप में हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी आवाज हमेशा गूंजती रहेगी। वह भारतवासियों की आवाज है। जब भी रेडियो पर यह आवाज आती, तो समाज का हर तबका उसे पहचान लेता। उसमें कोई बनावटी-भाव नहीं था, जमीन की खुशबू आती थी उससे। लगता, घर का ही कोई पुकार रहा है, और हम उस ओर खिंचे चले जाते। इस आवाज की एक खासियत यह भी थी कि यह हर उम्र के लोगों को भाती थी। क्या बच्चे, क्या जवान और क्या बुजुर्ग, सभी अमीन सायानी के शब्दों से जुड़ जाते थे। वह

भारत की उम्मीद और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करते। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा भी है, हिन्दुस्तान को टूटने से बचाने में फिल्म-संगीत का बड़ा हाथ है, वरना हम तो काफी पहले बिखर चुके होते। हालांकि, ज्यादातर लोग आवाज के इस जादूगर को हिंदी तक महदूद रखते हैं, लेकिन अमीन सायानी बहुभाषी थे और रेडियो पर अलग-अलग भाषाओं के कार्यक्रम किया करते थे। रेडियो उद्घोषक के रूप में उनका पहला कार्यक्रम अंग्रेजी में था।

मुझे कई बार उनसे मिलने का मौका मिला और हर बार मैंने उनसे कुछ नया सीखा। दिलचस्प है कि उन्होंने अपने जीवन में जो कुछ सीखा, करियर के दौरान सीखा, अपनी सिखाई को मांजा और फिर अपना स्तर इतना ऊंचा कर लिया कि एक चलते-फिरते संस्थान बन गए। वह सिर्फ खनकती आवाज के ही मालिक नहीं थे, बल्कि तमाम किस्म की जानकारियों का भी खजाना थे। मैं उनसे पहली बार तब मिला था, जब वह 'कैडबरी बोर्नविटा क्वीज' प्रतियोगिता कर रहे थे। उनके सामने आते ही मेरे हाथ-पैर सुन्न हो गए। उनकी आवाज तो बचपन से सुनता आ रहा था, लेकिन शक्ल को आवाज से मिलाना मुश्किल हो गया था। मुंह से शब्द ही नहीं निकल रहे थे। मेरी इस उलझन को संभवत: सायानी साहब ने भांप लिया। यह उनकी सिफत ही थी कि सामने वाले को वह एहसास नहीं होने देते थे कि वह कितनी ऊंची शख्सियत के मालिक हैं। सामने कोई भी इंसान हो, उसे वह पूरी इज्जत देते थे। उनमें किसी किस्म का घमंड नहीं था। यही कारण था कि उनसे बातचीत करके हर कोई अभिभूत हो जाता।

ऐसी ही एक मुलाकात में मैंने पूछा कि आपने अपनी शैली कैसे विकसित की? उनका जवाब था, मैंने यही कोशिश की कि किसी की नकल न करूं। आप किसी भी जगह पर रहें, आपका प्रयास मौलिक होना चाहिए। अपनी स्टाइल खुद बनाएं। आप किसी दूसरे की महत्वपूर्ण बातें इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन उसे अपनी शैली में ही पेश करें। मैंने भी रेडियो और टीवी पर प्रस्तुति के दिनों में सायानी साहब के इन शब्दों को जीने की कोशिश की। आज भी मैं उनकी यह सीख नहीं भूल पाता कि यदि वास्तविकता दिखाएंगे, तो आपको कभी छिपाने का कोई प्रयास नहीं करना होगा, और वह सबसे अलग भी होगी। मुझे लगता है, अमीन सयानी साहब को सच्ची श्रद्धांजलि भी यही होगी कि हम हमेशा मौलिकता में विश्वास करें और नकल से दूर रहें।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

शरीर के भीतर बुढ़ापारोधी 'अमृत' की तलाश

मुकुल व्यास

बुढ़ापे की प्रक्रिया पर अंकुश लगाने के लिए दुनिया में पिछले काफी समय से रिसर्च चल रही है। वैज्ञानिक आयु बढ़ने की प्रक्रिया को पलटने की कोशिश कर रहे हैं और इस दिशा में उन्हें कुछ सफलता भी मिल रही है। आयु-वृद्धि एक स्वाभाविक प्रक्रिया है और इसे पूरी तरह से पलट देना या रोक पाना असंभव है। फिर भी आयु-वृद्धि का विज्ञान शोध का एक दिलचस्प क्षेत्र है। अब एक नई खोज से पता चलता है कि बुढ़ापा रोधी चमत्कारी 'अमृत' हमारे शरीर के अंदर भी हो सकता है। अमेरिका की कोल्ड स्प्रिंग हार्बर लेबोरेटरी की सहायक प्रोफेसर कोरिना अमोर वेगास और उनके सहयोगियों ने पता लगाया है कि टी कोशिकाओं को आयु-वृद्धि से लड़ने के लिए संशोधित किया जा सकता है। टी कोशिकाएं एक तरह की श्वेत कोशिकाएं होती हैं।

वेगास की टीम का कहना है कि आनुवंशिक संशोधनों के सही सेट से टी कोशिकाओं की रिप्रोग्रामिंग करके उन्हें कोशिकाओं के दूसरे समूह पर हमला करने के लिए तैयार किया जा सकता है जो हमारे शरीर में बीमारियां उत्पन्न करती हैं। इन्हें सेन्सेंट कोशिकाएं कहा जाता है। सेन्सेंट कोशिकाएं दरअसल वृद्ध कोशिकाएं होती हैं जो आयु वृद्धि के साथ अपनी प्रतिकृति बनाना बंद कर देती हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, वे हमारे शरीर में जमा होने लगती हैं, जिसके परिणामस्वरूप हानिकारक सूजन हो जाती है। इस समय कई दवाएं मौजूद हैं जो इन कोशिकाओं को खत्म कर सकती हैं। इनमें से कई दवाओं को बार-बार लेना पड़ता है।

एमोर वेगास और उनके सहयोगियों ने दवाओं के रूप में एक 'जीवित दवा', सीएआर (काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर) टी कोशिकाओं की ओर रुख किया। उन्होंने पाया कि चूहों में वृद्ध कोशिकाओं को खत्म करने के लिए सीएआर टी कोशिकाओं में हेरफेर किया जा सकता है। परिणामस्वरूप, चूहे अधिक स्वस्थ जीवन जीने लगे। उनके शरीर का वजन कम हुआ। उनके शरीर में मेटाबॉलिज्म और ग्लूकोज सहनशीलता में सुधार हुआ तथा शारीरिक गतिविधि में वृद्धि हुई। ये सभी लाभ उत्तकों की क्षति या विषाक्तता के बगैर आए। एमोर वेगास ने बताया कि वृद्ध चूहों को सी एआर टी कोशिकाएं देने पर उनका कायाकल्प हो जाता है। युवा चूहों को इन कोशिकाओं की खुराक देने पर उनकी आयु वृद्धि की प्रक्रिया धीमी हो जाती है।

फिलहाल कोई अन्य थेरैपी ऐसा नहीं कर सकती। शायद सीएआर टी कोशिकाओं की सबसे बड़ी शक्ति उनकी दीर्घायु है। वेगास की टीम ने पाया कि कम उम्र में सिर्फ एक खुराक देने से जीवन भर उसका असर हो सकता है। यह एकल उपचार उन दशाओं से रक्षा कर सकता है जो आमतौर पर जीवन में बाद में प्रकट होती हैं। इनमें मोटापा और डायबिटीज शामिल हैं। एमोर वेगास के अनुसार टी कोशिकाओं में याद्दाश्त विकसित करने और शरीर में लंबे समय तक बने रहने की क्षमता होती है, जो एक रासायनिक दवा से बहुत अलग है। सीएआर टी कोशिकाओं की थेरेपी पुरानी और

दीर्घकालिक बीमारियों के उपचार में बहुत उपयोगी हो सकती है। इन कोशिकाओं के लाभ पहली बार सामने नहीं आए हैं।

उल्लेखनीय है कि विभिन्न प्रकार के रक्त कैंसर के इलाज के लिए सीएआर टी कोशिकाओं का उपयोग किया गया है। इस उद्देश्य के लिए 2017 में अमेरिका के एफडीए की मंजूरी मिल चुकी है। लेकिन एमोर वेगास उन पहली वैज्ञानिकों में से एक हैं जिन्होंने यह दिखाया कि सीएआर टी कोशिकाओं की चिकित्सा क्षमता कैंसर से भी आगे तक जाती है। अमोर वेगास की प्रयोगशाला अब यह जांच कर रही है कि क्या सीएआर टी कोशिकाएं चूहों को सचमुच लंबे समय तक स्वस्थ और जीवित रहने देती हैं। यदि ऐसा है, तो हम चिर यौवन के बहुप्रतीक्षित स्रोत के और करीब पहुंच जाएंगे।

इस बीच, शोधकर्ताओं के अन्य दल ने पता लगाया है कि वसा के उप उत्पादों में कमी करने से वृद्धावस्था में स्वस्थ रहने में मदद मिलती है। फैटी एसिड आणविक निर्माण इकाइयों में से एक हैं जो वसा बनाते हैं। यद्यपि विभिन्न शारीरिक कार्यों के लिए फैटी एसिड आवश्यक है, शरीर में उनकी अत्यधिक मात्रा हानिकारक हो सकती है, जो किसी व्यक्ति के दीर्घकालिक रोग के जोखिम को बढ़ाकर, चयापचय प्रक्रियाओं को बाधित करने और सूजन को बढ़ावा देकर उनके अच्छे स्वास्थ्य की अवधि और जीवन काल को छोटा कर सकती है। मेडिकल टेस्टों के दौरान फैटी एसिड की नियमित जांच की जाती है, जिनमें आपके लिपिड प्रोफाइल को मापने वाले रक्त परीक्षण शामिल हैं। लेकिन चिकित्सक और शोधकर्ता अक्सर वसा के अन्य प्रमुख घटक ग्लिसरॉल को संभावित हानिकारक प्रभावों के बावजूद नजरअंदाज कर देते हैं। ग्लिसरॉल एक यौगिक है जो फैटी एसिड को वसा के मॉलिक्यूल बनाने के लिए जोड़ता है।

ये वसा उपोत्पाद कोशिकाओं और अंगों के कार्यों को बाधित करके उम्र बढ़ने के प्रभावों को दर्शाते हैं। वास्तव में शोधकर्ता मोटापे को तेजी से उम्र बढ़ने के उत्प्रेरक के रूप में देख रहे हैं। वसा आपकी कोशिकाओं में आवश्यक कार्य करती है, लेकिन सभी तरह की वसा आपके लिए अच्छी नहीं होती। शोधकर्ताओं का कहना है कि हानिकारक वसा उपोत्पादों को कम करने से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने में मदद मिल सकती है और परिणामस्वरूप आम बीमारियों से बचा जा सकता है। प्रयोगशाला जानवरों के जीवन काल को बढ़ाने और स्वास्थ्य में सुधार करने के तरीकों का अध्ययन करते समय शोधकर्ताओं ने पाया कि सभी बुढ़ापा-रोधी हस्तक्षेपों से ग्लिसरॉल के स्तर में कमी आई।

उदाहरण के लिए जब कैनोर्हाडाइटिस एलिगेंस नामक गोल कृमि (निमेटोड) को कैलोरी-प्रतिबंधित आहार पर रखा जाता है तो वह लगभग 40 प्रतिशत अधिक समय तक जीवित रहता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि लंबे समय तक जीवित रहने वाले इन कीड़ों के शरीर में ग्लिसरॉल का स्तर कम जीवित रहने वाले कीड़ों की तुलना में कम था, जिनके लिए भोजन प्रतिबंधित नहीं था। कैलोरी प्रतिबंध ने उनकी आंत और मांसपेशियों में ग्लिसरॉल को तोड़ने के लिए जिम्मेदार एडीएच-1 (एल्कोहल डिहाइड्रोजिनेस 1) नामक एंजाइम की गतिविधि को भी बढ़ा दिया। शोधकर्ताओं ने आहार प्रतिबंध से गुजर रहे या रैपामाइसिन नामक एंटी-एजिंग दवा से इलाज करा रहे लोगों में समान रूप से एडीएच-1 की गतिविधि को उच्च स्तर देखा। इस खोज से पता चलता है कि सभी प्रजातियों में स्वस्थ तरीके से उम्र बढ़ने के पीछे एक सामान्य तंत्र हो सकता है, जिसके मूल में एडीएच-1 है।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair

DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

कृषि विपणन बोर्ड के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए परीक्षा 25 को

कांकेर। छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मण्डल रायुपर द्वारा आयोजित राज्य कृषि विपणन बोर्ड के तहत सहायक संचालक, सचिव वरिष्ठ, सचिव कनिष्ठ के पदों पर भर्ती परीक्षा 25 फरवरी दिन रविवार को पूर्वान्ह 10 से 12.15 बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में जिले के 3 हजार 936 परीक्षार्थी शामिल होंगे। कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा परीक्षा के सफल संचालन हेतु डिप्टी कलेक्टर अशोक कुमार मारबल को नोडल अधिकारी तथा सहायक संचालक शिक्षा लक्ष्मण कावड़े को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रारंभिक परीक्षा के लिए जिले में 13 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं, जिसमें शासकीय भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर महाविद्यालय कांकेर, शासकीय इंदरू केंवट कन्या कॉलेज भीरावाही अलबेलापारा कांकेर, शासकीय पंडित विष्णुप्रसाद शर्मा हायर सेकेण्डरी स्कूल गोविन्दपुर कांकेर, सेंट माईकल हायर सेकेंडरी स्कूल गोविंदपुर, शासकीय नरहरदेव हायर सेकेंडरी स्कूल कांकेर, शासकीय महिला आईटीआई कांकेर, डाईट कांकेर, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल डुमाली, शासकीय कन्या हाई स्कूल मांझापारा कांकेर, शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल सिदेसर, पैराडाईज हायर सेकेण्डरी स्कूल ईमलीपारा तथा कृषि एवं अनुसंधान केन्द्र सिंगारभाट कांकेर और शासकीय हाई स्कूल शीतलापारा कांकेर शामिल हैं।

सीईओ जिला पंचायत ने किया विभिन्न निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण

राजनांदगांव। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सु सुरूचि सिंह जनपद पंचायत डोंगरगांव के ग्राम चिद्दों, जंतर, बड़भूम तथा जनपद पंचायत छुरिया के ग्राम कलडबरी में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। सीईओ जिला पंचायत सु सुरूचि सिंह ने ग्राम चिद्दों के निरीक्षण के दौरान भूमि संरक्षण विभाग के माध्यम से स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किए गए कार्यों के लिए प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों से कार्य की आवश्यकता, जल संरक्षण से होने वाले लाभ तथा आसपास के किसानों से चर्चा कर कार्य के होने से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष प्रभाव के संबंध में जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि कार्य के स्वीकृत हो जाने से लगभग 70- 80 एकड़ की भूमि तथा 40 से अधिक किसानों को लाभ मिलेगा। सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों को कार्यों की स्वीकृति के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम जंतर में भूमि संरक्षण एवं जल संवर्धन संबंधित कार्यों का खेतों से होकर प्रस्तावित स्थल तक पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने स्थल में आंशिक संशोधन किए जाने योग्य स्थिति को देखकर अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने निर्देशित किया। इसके पश्चात सु सुरूचि सिंह ने ग्राम पंचायत बड़भुम के तालाब गहरीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान तालाब गहरीकरण कार्य में 140 से अधिक श्रमिक कार्यरत पाए गए। उन्होंने कार्यस्थल पर तत्काल सूचना पटल निर्माण करने कहा तथा श्रमिकों से चर्चा कर कार्य एवं मजदूरी भुगतान के संबंध में जानकारी ली। सीईओ जिला पंचायत सु सुरूचि सिंह ने जनपद पंचायत छुरिया के ग्राम कलडबरी में किए जा रहे परकुलेशन टैंक एवं भूजल संचय के कार्यों जायजा लिया। इस दौरान कार्य स्थल पर मस्टर रोल का वाचन किया गया। जिसमें 40 में से 38 लोगों की उपस्थिति पाई गई। सीईओ जिला पंचायत ने दो लोगों की अनुपस्थिति के संबंध में जानकारी ली।

महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण विभाग के लिए अनुदान मांगे पारित

महतारी वंदन योजना के लिए 3000 करोड़ रूपए का प्रावधान

- कामकाजी महिलाओं के बच्चों की देखभाल और पोषण के लिए 1500 स्थानों में पालना केन्द्रों के लिए 20 करोड़ रूपए का प्रावधान
- कुपोषण दूर करने पौष्टिक आहार हेतु 700 करोड़ रूपए का प्रावधान
- एक हजार कन्या शालाओं तथा महाविद्यालयों में सेनेटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन के लिए 13 करोड़ रूपए स्वीकृत
- शहरी क्षेत्रों में 100 आंगनबाड़ियों के लिए 12 करोड़ रूपए का प्रावधान
- प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना हेतु 116 करोड़ 56 लाख रूपए का प्रावधान
- निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना के लिए 4 करोड़ रूपए का प्रावधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के विभागों के लिए वर्ष 2024-25 के लिए 3009 करोड़ 28 लाख 14 हज़ार रुपए की अनुदान मांगे छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज पारित की गई। इनमें समाज कल्याण विभाग से संबंधित व्यय के लिए मांग संख्या 34 के तहत 121 करोड़ 76 लाख 27 हज़ार रुपए और महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए मांग संख्या 55 के तहत 2887 करोड़ 51 लाख 87 हजार रूपए की अनुदान मांगे शामिल हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु कुल राशि 5682 करोड़ 85 लाख 83 हजार रूपए की अनुदान मांगें छत्तीसगढ़ राज्य की महतारियों को समर्पित करते हुए कहा कि यह बजट प्रदेश की नारी शक्ति, किशोरी बेटियों और नौनिहालों के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने यह संकल्प लिया है कि प्रदेश की महिलाओं को आर्थिक रूप से संबल बनाएगी तथा उनका सशक्तिकरण करेगी। यह वादा हमने निभाया और लगभग सभी पात्र महिलाओं को 1000 रूपये प्रतिमाह उनके खाते में अंतरित करने का निर्णय लिया है। आगामी माह में राशि का अंतरण भी प्रारंभ कर देंगे। महतारी वंदन योजना में लगभग 8000 करोड़ रूपये का व्यय संभावित है। इसके लिए वर्ष 24-25 में प्रथम चरण में 3000 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। इससे महिलाओं के सामाजिक आर्थिक सशक्तिकरण में सहायता मिलेगी।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि कामकाजी महिलाओं के बच्चों की देखभाल हेतु 1500 स्थानों पर पालना केन्द्रों हेतु बजट में 20 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य एवं पोषण हमारी सरकार की प्राथमिकता में है। बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए बजट में 82.80 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। कुपोषण दूर करने पोषण आहार हेतु बजट में 700 करोड़ का प्रावधान किया गया है। बजट में 1000 कन्या शालाओं, महाविद्यालयों में सेनेटरी नेपकिन वेडिंग मशीन हेतु 13 करोड़ का प्रावधान है। ग्रामीण क्षेत्रों में आंगनबाड़ी भवनों के लिए 24 करोड़ रूपए और शहरी क्षेत्रों में 100 आंगनबाडी हेतु 12 करोड़ रूपये का प्रावधान और आंगनबाड़ी को नर्सरी स्कूलों की तरह विकसित करने के लिए 29 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया गया है। मिशन शक्ति हेतु 10 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। छत्तीसगढ़ महिला कोष से स्व-सहायता समूहों तथा महिलाओं को ऋण योजना का लाभ दिलाने हेतु 25 करोड़ 20 लाख का प्रावधान।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि वर्ष 2024-25 में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना हेतु 7600 कन्याओं के विवाह का लक्ष्य रखते हुए 38 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना हेतु 116 करोड़ 56 लाख रूपये और मिशन वात्सल्य के लिए 94 करोड़ 80 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। साथ ही महिला सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए 5 करोड़ 27 लाख रूपए का प्रावधान है। उन्होंने बताया कि महिला हेल्पलाइन नम्बर (181), चाइल्ड हेल्पलाइन नम्बर (1098) के एकीकरण टोल फ्री नम्बर 112 हेतु 75 करोड़ 71 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने कहा कि इस वर्ष योजनाओं और सेवाओं में उन्नत तकनीक अपनाने के लिए विभाग को डिजिटलाईजेशन करने के लिए बजट में 5 करोड़ 75 लाख रूपये का बजट प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि गत सरकार द्वारा संचालित 25 योजनाओं का युक्तियुक्तकरण किया गया है और इन योजनाओं को 10 अम्ब्रेला योजना के रूप में संचालित करने का निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ महिला कोष द्वारा महिला स्व-सहायता समूहों को ऋण योजना के लिए 25 करोड़ 20 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और उभयलिंगी व्यक्तियों के साथ ही अन्य व्यक्तियों के लिए विभागीय योजनाओं से संबंधित किसी भी समस्या के त्वरित निराकरण के लिए हेल्पलाइन नंबर 155326 या टोल फ्री नंबर 1800-233-8989 संचालित है। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में एक करोड़ 30 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। नशापान की प्रवृत्ति पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राज्य के सभी विकासखण्डों के ग्राम पंचायतों में 2951 भारतमाता वाहिनी का गठन किया गया है। इसके लिए बजट में 10 करोड़ रूपए का प्रावधान है।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों को पीआरआरसी सेंटर के माध्यम से अत्याधुनिक कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण प्रदाय करने के लिए एक करोड़ 59 लाख 72 हजार रूपए का प्रावधान है। दिव्यांग व्यक्तियों के सामाजिक पुनर्वास के लिए निःशक्त जन विवाह प्रोत्साहन योजना के लिए 4 करोड़ रूप्ए का प्रावधान किया गया है। योजना के तहत दिव्यांग दम्पति को एकमुश्त एक लाख रूपए की सहायता दी जाती है। दिव्यांग व्यक्तियों को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए संबल योजना के तहत एक करोड़ 91 लाख रूपए और वृद्धाश्रमों के संचालन के लिए 4 करोड़ 15 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है।

राजिम कुंभ 'कल्प' पुनः अपने वैभव और गौरव को प्राप्त करेगाः बृजमोहन अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

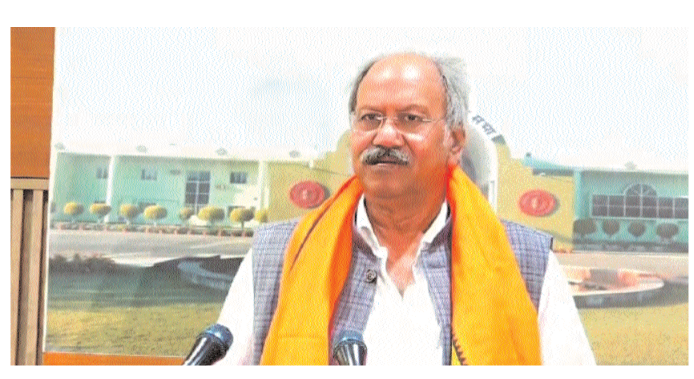

रायपुर। राजिम कुंभ पुनः अपने वैभव और गौरव के साथ मनाया जायेगा। बुधवार को विधानसभा में राजिम माघी पुन्नी मेले का नाम बदलने के लिए संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल द्वारा संशोधन विधेयक पेश किया गया। जिसको लेकर पक्ष-विपक्ष में तीखी बहस के बाद मत विभाजन हुआ। विधेयक के पक्ष में 43 मत प्राप्त हुए जबकि विपक्ष में 30 वोट पड़े। जिसके बाद बहुमत के आधार पर संशोधन विधेयक सदन में पारित हो गया। जिसके बाद एक बार राजिम मेला राजिम कुंभ कल्प के नाम से जाना जाएगा। राजिम माघी पुन्नी मेला संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने जवाब देते हुए कहा कि, पूरे छत्तीसगढ़ में 5 हजार स्थानों पर माघी पुन्नी मेला का आयोजन होता है। और पूरे देश में लाखों स्थानों पर पुन्नी मेले का आयोजन होता हैं। जबकि कुंभ देश में सिर्फ चार स्थानों पर ही होता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए कुंभ का नाम दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि, वेद पुराणों में महानदी को चित्रोत्पला कहा गया है। राजिम का धार्मिक महत्व है, यहां लोग अस्थि विसर्जन करते हैं। हम इस विधेयक के माध्यम से प्रदेश की संस्कृति को आगे बढ़ा रहे हैं। माघी पुन्नी मेले के स्थान पर कुंभ कल्प मेला नाम दिया जा रहा है। धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने सदन में विधेयक पेश किया जिस पर कुरूद से भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने पक्ष रखते हुए कहा कि, पिछली सरकार ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति और इतिहास से छेड़छाड़ किया। जिसके बाद पक्ष और विपक्ष में तीखी नोंक-झोंक शुरू हो गई। कांग्रेस सदस्यों ने नाम बदलने का विरोध किया। जिसके बाद मत विभाजन हुआ और विधेयक के पक्ष में 43 और विपक्ष में 30 वोट पड़े। मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि, मैं सभी देशवासियों, साधु संत महात्माओं, मंडलेश्वर को बधाई देता हूं कि उनकी कल्पना फिर से साकार होने जा रही है। राजिम कुंभ कल्प के माध्यम से पूरे देश और दुनिया में छत्तीसगढ़ की जो पहचान बनी थी। उसको पुनः स्थापित करने के लिए विधानसभा में राजिम माघी पुन्नी मेला संशोधन विधेयक पारित हुआ है। और राजिम कुंभ अपने पुराने वैभव और गरिमा के साथ 24 फरवरी से प्रारंभ होगा। इसके लिए विधानसभा अध्यक्ष के साथ ही पक्ष विपक्ष के सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं और उन्हें बधाई देता हूं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी आत्मग्लानि से पीड़ित है। 13 साल से राजिम कुंभ के नाम से चले आ रहे आयोजन को उसने अपने राजनीतिक प्रतिशोध और महत्वाकांक्षा के चलते बदलकर पुन्नी मेला कर दिया था। हम छत्तीसगढ़ के पुराने वैभव को लौटाने के लिए राजिम कुंभ को वापस लाए हैं। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस को अपनी गलती को मान लेना चाहिए था और बगैर मत विभाजन के ही संशोधन विधेयक को सर्वसम्मति से पास कर देना चाहिए था।

मुख्यमंत्री ने बिहान कैडर्स को उत्कृष्ट कार्य के लिए किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर के आयोजित सरस मेला कार्यक्रम अंतर्गत राजनांदगांव, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई एवं मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिला के राज्य आजीविका मिशन बिहान के उत्कृष्ट कैडर्स को सम्मानित किया। जिले के बिहान की महिलाओं ने राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा एवं हुनर को प्रदर्शित किया है। राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में जैसे संकुल संगठन, पीआरपी, रिसोर्स बुक कीपर, एफएलसीआरपी उत्पादक समूह, कृषक उत्पादक संगठन कृषि सखी, पशु सखी एवं सक्रिय महिला के उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन हेतु जिला के उत्कृष्ट कैडर्स को सर्वाधिक 8 श्रेणी में अवार्ड से सम्मानित किया गया। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने सभी उत्कृष्ट कैडर्स को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि जिले की बिहान की महिलाओं ने अपनी इस सफलता से जिले का नाम रोशन किया है। आगे भी इसी तरह सफलता के नये आयाम स्थापित करें। जिला पंचायत सीईओ सु सुरूचि सिंह ने कहा कि बिहान की महिलाओं ने जिले को गौरवान्वित किया है।

उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में उत्कृष्ट संकुल संगठन अवार्ड आस्था संकुल विकासखंड डोंगरगांव, उत्कृष्ट पीआरपी चंद्रकली साहू विकासखंड मानपुर, उत्कृष्ट आरबीके रीना पारधी विकासखंड राजनांदगांव, मनीषा ताम्रकार विकासखंड डोंगरगढ़, उत्कृष्ट एफपीसी स्वर्णोपज कृषक उत्पादक कंपनी खैरागढ़-छुईखदान, उत्कृष्ट सीआरपीईपी (स्वीप) शोभा सिन्हा विकासखंड राजनांदगांव, उत्कृष्ट पशु सखी राधा जाड़े विकासखंड मानपुर व पिंकी साहू विकासखंड राजनांदगांव तथा उत्कृष्ट कृषि सखी ऐजन वर्मा विकासखंड राजनांदगांव को प्रदान किया गया।

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा के विभागों के लिए 3608 करोड़ रूपए से अधिक की अनुदान मांगे पारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंक राम वर्मा के विभागों के लिए 3608 करोड़ 47 लाख 81 हज़ार रुपए की अनुदान मांगे छत्तीसगढ़ विधानसभा में आज सर्वसम्मति से पारित की गई। इनमें भू-राजस्व तथा जिला प्रशासन के लिए 2072 करोड़ 16 लाख 69 हजार रुपए, राजस्व विभाग से संबंधित व्यय के लिए 30 करोड़ 23 लाख 22 हज़ार रुपए, प्राकृतिक आपदाओं एवं सूखाग्रस्त क्षेत्रों में राहत पर व्यय के लिए 1433 करोड़ 38 लाख 73 हज़ार रुपए और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के लिए 72 करोड़ 69 लाख 17 हज़ार रुपए शामिल है।

अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों की मांगों से विभागीय मंत्री को अवगत कराया और सुझाव भी दिए। अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए राजस्व मंत्री वर्मा ने मुंगेली जिले के चकरभाठा और बिलासपुर जिले के तखतपुर विकासखंड के सकर्रा में उप तहसील कार्यालय खोलने की घोषणा की।

राजस्व मंत्री वर्मा ने भू-राजस्व तथा जिला प्रशासन की अनुदान मांगों पर चर्चा के जवाब में कहा कि राजस्व विभाग भूमि संबंधी अभिलेखों का संधारण करता है, वहीं शासन की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन एवं उसे आम जनता तक पहुंचाने का काम राजस्व विभाग के माध्यम से किया जाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार आम जनता की आवश्यकता को देखते हुए उन्हें अधिक से अधिक सुविधाएं पहुंचाने विभागीय नियमों व प्रक्रियों में लगातार सुधार एवं उन्नयन करते हुए नवीन तकनीक का उपयोग कर रही है। इसके लिए बजट में अनेक प्रावधान किए गए हैं।

श्री वर्मा ने सदन में कहा कि ऑनलाइन नागरिक सुविधाओं के लिए अभिलेखों के दुरुस्तीकरण, हस्ताक्षरयुक्त खसरा एवं बी-1 डिजिटल कापी, ई-कोर्ट में विचाराधीन प्रकरणों के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार गरीबों और मजदूरों के कल्याण के लिए संकल्पबद्ध है। हमारी सरकार ने दीनदयाल उपाध्याय कृषि कल्याण के लिए 500 करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत पंजीकृत किसानों को 10 हजार रूपए वार्षिक दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पटवारी नक्शों के जियोरिफ्रेंसिंग कार्य के लिए 25 करोड़ का प्रावधान किया गया है। भूमि व्यपवर्तन की प्रक्रिया के सरलीकरण के लिए 2 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। नगरीय क्षेत्रों के ग्रामों में चांदा-मुनारा के लिए 16 करोड़ रूपए, प्रदेश के सभी तहसील कार्यालयों में कम्प्यूटर, प्रिंटर आदि के लिए 115 करोड़ रूपए का बजट प्रावधान किया गया है। नवगठित अनुविभागों एवं तहसीलों के कार्यालय भवन हेतु 10 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

राजस्व मंत्री वर्मा ने राहत एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के जवाब में कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय की नेतृत्व वाली हमारी सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित पीड़ितों के हितों की भी चिंता की है। वर्ष 2024-25 के बजट में राज्य आपदा मोचननिधि के लिए 533 करोड़ 60 लाख रुपए तथा राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि के लिए 50 करोड़ रुपए, राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि के लिए 133 करोड़ 40 लाख रूपए, निर्देशन व प्रशासन के लिए 3.26 करोड़ रूपए तथा आपदाओं का विश्लेषण एवं योजना तैयार करने के लिए 58 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री वर्मा ने विभागीय अनुदान मांगों की चर्चा के उत्तर में कहा कि मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में हमारी सरकार युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। आगामी वित्तीय वर्ष के बजट में ओलंपिक खेलों को प्रोत्साहन और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़िया क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना शुरू की जाएगी। इसके लिए 20 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। कला, साहित्य, खेल एवं समाज सेवा के क्षेत्र में युवाओं के योगदान को प्रोत्साहित करने के लिए युवा रत्न सम्मान योजना हेतु एक करोड़ 50 लाख रूपए, छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की आवासीय खेल अकादमी प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए 10 करोड़ 65 लाख से अधिक की राशि प्रावधानित है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales
8959493000
A Leela Electronics
9425507772
Reena Electronics
9329132299
Shree Electronics
7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

भाजपा पिछड़ा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष का एयरपोर्ट में स्वागत

प्रदेश महामंत्री भरत वर्मा ने राकेश चंद्राकर को विधिवत पदभार ग्रहण करवाया

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राकेश चंद्राकर के रायपुर आगमन पर एयरपोर्ट में उनका ढोल-नगाड़े एवं फूलमालों के साथ स्वागत हुआ। दिल्ली से लौटे पर संगठन महामंत्री रामप्रताप, भाजपा प्रदेश महामंत्री भरत वर्मा, भारतीय जनता पार्टी पिछला मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष राकेश चंद्राकर दुर्गा विधायक गजेंद्र यादव का जोरदार स्वागत हुए। स्वागत समारोह में जिला एवं प्रदेश पदाधिकारी मौजूद थे। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा के तत्कालीन अध्यक्ष एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री भरत वर्मा ने प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में विधिवत नव नियुक्त पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष राकेश चंद्राकर को प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी सौंप कर उन्हें फूल वालों से स्वागत किया और मिठाई खिलाकर उन्हें प्रदेश की जिम्मेदारी सौंपी। भरत वर्मा ने कहा कि पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा छत्तीसगढ़ में सरकार बनाने में बड़ी भूमिका निभाई अब राकेश चंद्राकर को पिछड़ा वर्ग की कमान सौंपा गया है और उन्हें लोकसभा चुनाव में बड़ी जिम्मेदारी निभाकर छत्तीसगढ़ के 11 लोक सभा सीट पर जीत हासिल कर केंद्र में पुनः सरकार बनाना है। इधर कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त अध्यक्ष बनने पर प्रदेश कार्यालय में मिठाई बाटकर खुशी मनाई।

बता दें कि पदभार ग्रहण के बाद नवनियुक्त प्रदेश भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राकेश चंद्राकर ने कहा कि संगठन को पूरे छत्तीसगढ़ में और अधिक मजबूत कर आने वाले लोकसभा चुनाव में सभी 11 की 11 सीट जीतकर भारतीय जनता पार्टी सहित एन डी ए को केंद्र में 400 से अधिक सीट जीत कर पुनः मोदी की सरकार बनाना है। हम सभी को कड़ी मेहनत के साथ आने वाले चुनाव में आपसी तालमेल बनाकर कार्य करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद अब पूरे प्रदेश में दौरे का कार्यक्रम कर संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जाएगा जिसकी शुरुआत इसी महीने के 25 फरवरी से होगी। सबसे पहले बस्तर संभाग से दौरे की शुरुआत होगी । उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय संगठन द्वारा दिए गए कार्य सामाजिक सम्मेलन विधानसभा स्तर पर किया जाएगा। इसके अलावा एक से 5 मार्च तक आयोजित पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय महाअधिवेशन में मंडल स्तर के कार्यकर्ता को सम्मिलित होना है।

छत्तीसगढ़ बोर्डः दसवीं-बारहवीं परीक्षा साल में दो बार, 2025 के सत्र से नई व्यवस्था

रायपुर। छत्तीसगढ़ बोर्ड की दसवीं और बारहवीं की परीक्षाएं साल में दो बार होंगी। नई व्यवस्था शिक्षा सत्र 2025-26 से लागू होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)के तहत यह बदलाव होगा। प्रदेश में इसके लिए जल्द व्यवस्था शुरू होगी। अभी बोर्ड एग्जाम साल में एक बार आयोजित किए जाते हैं। इस बार की परीक्षा 1 मार्च से शुरू हो रही है। इसमें करीब सवा छह लाख छात्र शामिल होंगे।

जानकारों का कहना है कि नई व्यवस्था से छात्रों को फायदा होगा। इससे बोर्ड एग्जाम को लेकर छात्रों का तनाव कम होगा। कोर्स अलग-अलग हिस्सों में बंटेगा। इसका भी फायदा छात्रों को मिलेगा। दो बार बोर्ड एग्जाम की नई व्यवस्था लागू होने का आशय है कि जून 2024-25 में जो सत्र शुरू होगा वह सिंगल बोर्ड एग्जाम का आखिरी सत्र होगा। उधर, सीबीएसई की भी 10वीं-12वीं परीक्षा साल में दो बार आयोजित करने की तैयारी है।

पिछले दिनों केंद्रीय शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान ने राजधानी के एक कार्यक्रम में शामिल हुए। वहां उन्होंने कहा कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 से साल में दो बार सीबीएसई के छात्रों को बोर्ड परीक्षा में बैठने का विकल्प दिया जाएगा। इसे लेकर अब माना जा रहा है कि साल में दो बार बोर्ड एग्जाम को लेकर सीबीएसई से निर्देश जारी किए जाएंगे।

कोरबा में बनेगा एल्यूमिनियम पार्क, इन्वेस्ट इंडिया की तर्ज पर आयोजित होगा इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ सम्मेलन

वाणिज्य एवं उद्योग तथा श्रम विभाग की अनुदान मांगें पारित, बनेगी प्रदेश की नई औद्योगिक नीति 2024-29

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वाणिज्य एवं उद्योग तथा श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन के विभागों से संबंधित 773 करोड़ 28 लाख 42 हजार रुपए की अनुदान मांगें बुधवार को छत्तीसगढ़ विधानसभा में चर्चा के बाद पारित कर दी गई। इनमें वाणिज्य एवं उद्योग विभाग से संबंधित व्यय के लिए 530 करोड़ 29 लाख 69 हजार रुपए तथा श्रम विभाग के लिए 242 करोड़ 98 लाख 73 हजार रुपए की राशि शामिल है। देवांगन ने सदन में अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि कोरबा जिले में एल्यूमिनियम पार्क की बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करने के लिए आगामी बजट में आरंभिक तौर पर 5 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने अनुदान मांगों पर हुई चर्चा पर जवाब देते हुए कहा कि प्रदेश की वर्तमान औद्योगिक नीति 31 अक्टूबर 2024 तक प्रचलन में है। राज्य की आवश्यकता के अनुरूप इसकी समीक्षा कर नई औद्योगिक नीति 2024-2029 जारी की जाएगी। नई नीति में राज्य में उपलब्ध कृषि उत्पादों, वनोपजों, खनिज सम्पदा एवं रोजगारमूलक उद्योगों की स्थापना को दृष्टिगत रखते हुए नये उद्योगों को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नई औद्योगिक नीति के लिए सभी हितधारकों के साथ बात करके तथा अन्य राज्यों की नीतियों का अध्ययन कर एक श्रेष्ठ नीति बनाएंगे, ताकि औद्योगिक विकास में तेजी आए और प्रदेश में रोजगार के नये अवसर सृजित हो सके।

नये औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के लिए 60 करोड़

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री देवांगन ने सदन में बताया कि नये औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के लिए 60 करोड़ रुपए, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को प्रोत्साहित करने पृथक औद्योगिक पार्क की स्थापना के लिए 50 करोड़ रुपए, लागत पूंजी अनुदान के लिए 200 करोड़ रुपए एवं ब्याज अनुदान के लिए 50 करोड़ रुपए का प्रावधान नए बजट में किया गया है। उन्होंने बताया कि युवाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए छत्तीसगढ़ उद्यम क्रांति योजना प्रारंभ की जाएगी। साथ ही प्रदेश में अत्याधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर से युक्त कोरबा-बिलासपुर इंडस्ट्रियल कोरिडोर के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट के क्षेत्रों में शासकीय भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। इसके लिए प्रारंभिक कार्ययोजना तैयार करने के लिए 5 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। वन संसाधनों से परिपूर्ण बस्तर और सरगुजा संभाग में लघु वनोपज आधारित प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना एवं छत्तीसगढ़ खाद्य प्रसंस्करण मिशन योजना के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण सहायता अनुदान के लिए 13 करोड़ रुपए की राशि प्रावधानित है। उन्होंने बताया कि युवाओं में स्टार्ट-अप, इनोवेशन एवं रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में सेंट्रल इन्स्टूमेंटेशन फैसिलिटी का उन्नयन किया जाएगा। इसके लिए 2 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

नवा रायपुर में आईटी आधारित प्लग एवं प्लेमॉडल का विकास

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री देवांगन ने सदन में कहा कि राज्य में औद्योगिक अधोसंरचना के विकास हेतु सड़क, पानी, बिजली इत्यादि के संधारण एवं नवीन परियोजनाओं के साथ ही नवा रायपुर में आईटी आधारित ''प्लग एवं प्लेमॉडल का विकास किया जाएगा। इसके लिए अधोसंरचना विकास उन्नयन कार्य अंतर्गत 35 करोड़ रुपए प्रावधानित है। उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए इन्वेस्ट इंडिया की तर्ज पर इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इसके आयोजन के लिए प्रारंभिक तौर पर 5 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है। छत्तीसगढ़ स्टार्ट-अप हब और नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग इकाईयां स्थापित करने एवं राज्य में एक समृद्ध नवाचार पारिस्थितिक तंत्र तैयार करने के लिए छत्तीसगढ़ स्टार्ट-अप समिट का भी आयोजन किया जाएगा।

सरकार बना रही श्रमेव जयते वेबपोर्टल

श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने श्रम विभाग से जुड़ी अनुदान मांगों पर चर्चा के जवाब में बताया कि छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मण्डल के तहत अधिसूचित 56 प्रवर्ग के 17 लाख 54 हजार पंजीकृत असंगठित श्रमिकों के लिए विभिन्न योजनाओं हेतु आगामी बजट में 123 करोड़ 98 लाख रुपए से अधिक की राशि का प्रावधान किया गया है। अटल श्रम सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत असंगठित श्रमिकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक स्थान में प्राप्त हो सके, इसके लिए शासन द्वारा श्रमेव जयते वेबपोर्टल बनाया जा रहा है। इसके लिए बजट में 2 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों के लिए वर्ष 2024-25 के बजट में 505 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का व्यय प्रस्तावित है। औद्योगिक क्षेत्र के संगठित श्रमिकों के लिए छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मण्डल द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के लिए 6 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना का होगा विस्तार

मंत्री देवांगन ने सदन में बताया कि आगामी वित्तीय वर्ष में श्रमिकों के लिए संचालित शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना का विस्तार किया जाएगा। इस योजना के तहत श्रमिकों को मात्र 5 रुपए में गरम भोजन, दाल, चावल, सब्जी, अचार प्रदान किया जाता है। वर्तमान में इस योजना के तहत सात जिलों रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, बिलासपुर, रायगढ़, महासमुन्द और सूरजपुर में 21 केन्द्र संचालित हो रहे हैं। इन केन्द्रों के माध्यम से प्रतिदिन करीब 3200 श्रमिकों को गरम भोजन मिल रहा है। अगले वित्तीय वर्ष में इस योजना के अंतर्गत 9 जिलों में 24 नये केन्द्र खोले जाएंगे। उन्होंने बताया कि नये बजट में श्रम कानूनों के क्रियान्वयन के लिए 32 करोड़ रुपए और औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए 6 करोड़ रुपए से अधिक का प्रावधान किया गया है। साथ ही कर्मचारी राज्य बीमा सेवाओं के अंतर्गत श्रमिकों के लिए 61 करोड़ रुपए प्रावधानित है।

श्रमिक बाहुल्य क्षेत्रों में खुलेंगे नए औषधालय

मंत्री देवांगन ने बताया कि कर्मचारी राज्य बीमा सेवाओं के अंतर्गत प्रदेश के 10 जिलों में 42 औषधालय संचालित है। श्रमिक बाहुल्य क्षेत्रों तिल्दा, उरला, लारा और खरसिया में नये औषधालय खोलने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। उन्होंने बताया कि पंजीकृत श्रमिकों को अंतः रोगी तथा विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा रायपुर और कोरबा में 100-100 बिस्तरों का चिकित्सालय बनाया गया है। भिलाई और रायगढ़ में 100-100 बिस्तरों के चिकित्सालय का काम प्रगति पर है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा बिलासपुर में भी 100 बिस्तरों के अस्पताल के निर्माण की मंजूरी दी गई है।

श्रमिकों के सहयोग के लिए मोर चिन्हारी भवन की स्थापना

श्रम मंत्री देवांगन ने सदन में बताया कि दूसरे राज्यों में प्रवास करने वाले छत्तीसगढ़ के श्रमिकों के सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए वहां ''मोर चिन्हारी भवन की स्थापना की जाएगी। इसके पहले चरण में पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, गुजरात और महाराष्ट्र में जहां राज्य के श्रमिक अधिक संख्या में प्रवास करते हैं, मोर चिन्हारी भवन बनाए जाएंगे। इसके माध्यम से प्रवासी श्रमिकों को समय-समय पर सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। उन्होंने सदन में बताया कि पंजीकृत श्रमिक परिवारों के बच्चों को उत्कृष्ट निजी शालाओं में निःशुल्क पढ़ाने के लिए शीघ्र नई योजना प्रारंभ की जाएगी। उन्होंने बताया कि पंजीकृत श्रमिकों के द्वारा आर्थिक गतिविधि के लिए बैंक से लिए गए ऋण पर लगने वाले ब्याज में अनुदान देने की भी योजना जल्दी शुरू की जाएगी। इससे श्रमिक आत्मनिर्भर बन सकेंगे और वे स्वयं मालिक बनने की दिशा में अग्रसर हो सकेंगे।

64 लाख 22 हजार राशन कार्डधारियों ने किया नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन

25 फरवरी तक नवीनीकरण कार्य किए जाएंगे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वर्तमान में प्रचलित सभी 77 लाख राशनकार्डों के नवीनीकरण का कार्य 25 जनवरी से जारी है। 21 फरवरी की स्थिति में 64 लाख 22 हजार 571 राशन कार्डधारियों ने नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग द्वारा दी गई, ऑनलाइन सुविधा का लोग भरपूर लाभ उठा रहे हैं और स्वयं अपने मोबाइल से खाद्य विभाग के एप के जरिये राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं।

गौरतलब है कि राशनकार्ड नवीनीकरण का कार्य 25 फरवरी 2024 तक किया जाएगा। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार राशनकार्ड नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग के द्वारा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का नया मोबाईल एप्प तैयार किया गया है, इसे प्ले स्टोर में जाकर डाउनलोड किया जा सकता है। हितग्राही द्वारा खाद्य विभाग की वेबसाइट http://khadya.cg.nic.in से एप डाउनलोड किया जा सकता है।

महतारी वंदन योजनाः 72 लाख 74 हजार से अधिक महिलाओं ने भरा आवेदन

प्रथम चरण के अंतिम दिन 20 फरवरी को 1 लाख 78 हजार से अधिक महिलाओं ने किया आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महतारी वंदन योजना के तहत आवेदन भरने के लिए प्रथम चरण के अंतिम दिन भी महिलाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। सभी जिले में पंचायत और आंगनबाड़ी स्तर पर लगाए गए शिविरों में महिलाओं ने काफी बड़ी संख्या में आवेदन किया। योजना का लाभ लेने के लिए प्रदेश में अब तक 72 लाख 74 हजार से अधिक महिलाओं के आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। प्रथम चरण में आवेदन करने के अंतिम दिन 20 फरवरी को प्रदेश में 1 लाख 78 हजार 514 महिलाओं ने आवेदन किया।

उल्लेखनीय है कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई महतारी वंदन योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा प्रतिवर्ष महिलाओं को 12 हजार रुपए दिये जाएंगे। प्रतिमाह मिलने वाले एक हजार रुपए से महिलाएं अपनी छोटी-मोटी जरूरतों को पूरा करने के साथ पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने में मदद कर सकेंगी।

जिलेवार प्राप्त आवेदन- महतारी वंदन योजना के अंतर्गत अब तक रायगढ़ जिले में 03 लाख 13 हजार 379, जांजगीर-चांपा में 02 लाख 88 हजार 939, बलरामपुर में 02 लाख 11 हजार 985 महिलाओं ने आवेदन की है। इसी प्रकार बलौदाबाजार में 03 लाख 49 हजार 681, कोण्डागांव 01 लाख 36 हजार 680, कवर्धा 02 लाख 54 हजार 876, सूरजपुर में 02 लाख 14 हजार 567, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 95 हजार 89, गरियाबंद में 01 लाख 94 हजार 662, बेमेतरा में 02 लाख 63 हजार 711, सारंगढ़-बिलाईगढ़ से 01 लाख 89 हजार 163, रायपुर से 05 लाख 63 हजार 413, राजनांदगांव से 02 लाख 58 हजार 198, सक्ती से 02 लाख 11 हजार 282 महिलाओं ने महतारी वंदन योजना के तहत् आवेदन किया है। खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई से 1लाख 14 हजार 713, मुंगेली से 02 लाख 52 हजार 46, बालोद से 02 लाख 57 हजार 68, दंतेवाड़ा से 56 हजार 636, धमतरी से 2 लाख 73 हजार 19, जशपुर से 02 लाख 29 हजार 631, कोरबा से 03 लाख 8 हजार 363, कांकेर से 02 लाख 47 हजार 109, बस्तर से 01 लाख 90 हजार 357, दुर्ग में 04 लाख 21 हजार 701, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से 01 लाख 05 हजार 844, बिलासपुर से 04 लाख 12 हजार 716, सरगुजा से 02 लाख 39 हजार 129, कोरिया से 61 हजार 907, सुकमा से 52 हजार 324, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही से 95 हजार 982, महासमुंद से 03 लाख 46 हजार 953, नारायणपुर से 27 हजार 503 और बीजापुर जिले से 35 हजार 465 महिलाओं से आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

कौनसी होती है बॉयफ्रेंड जीन्स लड़कियों के लिए आजकल है पहली पसंद! इसमें होती है ये खास बात

इन दिनों फैशन वर्ल्ड में बॉयफ्रेंड जीन्स का काफी क्रेज देखने को मिल रहा है। इंटरनेशनल सेलेब्रिटीज से लेकर बॉलीवुड तक ये डेनिम महिलाओं की पहली पसंद बनी हुई है। इतना ही नहीं, फैशन के जानकारों का मानना है कि यह स्टाइल लंबे समय तक लोकप्रिय रहने वाली है। वहीं, इसके नाम के चलते कुछ लोगों को यह भी संदेह हो सकता है कि यह जीन्स पुरुषों के लिए होती है। जबकि ऐसा जरूरी नहीं है। अपने नाम से बिल्कुल उलट बॉयफ्रेंड जीन्स का क्रेज महिलाओं में अधिक देखने को मिल रहा है। तो आइये जानते हैं कि आखिर है यह बॉयफ्रेंड जीन्स क्या है और इसकी शुरुआत कैसे हुई।

बॉयफ्रेंड जीन्स क्या है:- बॉयफ्रेंड जीन्स का क्रेज इन दिनों महिलाओं में खूब देखने को मिल रहा है। यह डेनिम की एक वैरायटी है, जो महिलाओं को पहनने में बेहद आरामदायक महसूस करवाने के साथ-साथ स्टाइलिश भी दिखाते हैं। इनकी कुछ विशेषताएं हैं, जिसकी वजह से यह दूसरी जीन्स से काफी अलग नजर आते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि महिलाएं अपने पुरुष साथियों की जीन्स पहना करती थीं क्योंकि यह काफी आरामदायक हुआ करते थे। इसी को ध्यान में रखते हुए कम्पनियों ने खासतौर से महिलाओं के लिए ऐसी जीन्स डिजाइन की, जो कम्फर्टेबल और स्टाइलिश हों।

बॉयफ्रेंड जीन्स का इतिहास:-सोशल मीडिया पर बॉयफ्रेंड जीन्स का क्रेज देखकर आपको ऐसा लगता होगा कि यह कुछ नया है। जबकि अमेरिकन एक्ट्रेस, सिंगर और मॉडल मर्लिन मुनरो ने सालों पहले ही इसकी शुरुआत कर दी थी। हालांकि, तब उन्होंने इसे बॉयफ्रेंड जीन्स नहीं कहा, लेकिन डेनिम लवर्स के लिए यह आरामदायक जीन्स 1960 में भी पहली पसंद बन गई थी। हालांकि, बॉयफ्रेंड जीन्स वास्तव में 2000 के दशक में फोकस में आई जब केटी होम्स, जो तब टॉम क्रूज की पत्नी थीं, वे न्यूयॉर्क शहर में आउटिंग के दौरान उनकी जींस पहनकर निकला करती थीं। पपराजी अक्सर उन्हें स्लिम फिट बॉडी पर बैगी जीन्स कैरी किए हुए कैप्चर करते थे। इस तरह धीरे-धीरे डेनिम ब्रांड्स को एहसास हुआ कि महिलाओं की रुचि लूज, आरामदायक डेनिम में है, जिसके बाद उन्होंने खासतौर से महिलाओं के लिए बॉयफ्रेंड जीन्स बनाने की शुरुआत की।

बॉयफ्रेंड जीन्स के फायदे

- रेगुलर जीन्स की तुलना में बॉयफ्रेंड जीन्स पैर और जांघों पर अधिक आरामदायक होती है।
- भागदौड़ करने या घूमने-फिरने के लिए बॉयफ्रेंड जीन्स एक बढ़िया विकल्प है।
- ट्रैवल करते हुए पैरों को मोड़ने में आसानी होती है।
- फॉरएवर फैशनेबल।
- छोटी हाइट के लिए बेहतर विकल्प।

महारानी 3 का ट्रेलर रिलीज, दमदार अंदाज में दिखीं हुमा कुरैशी

हुमा कुरैशी की मचअवेटेड वेब सीरीज महारानी 3 का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस ट्रेलर में एक बार फिर से हुमा कुरैशी दमदार रोल में वापसी कर रही हैं। ट्रेलर की शुरुआत जेल से होती है जहां पर रानी भारती से नेता बात करते हुए नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में रानी भारती की सत्ता में वापसी और जेल से वापस बाहर आने की जद्दोदहज दिखाई गई है। इस ट्रेलर के साथ ही इसकी ओटीटी स्ट्रीमिंग का ऐलान भी कर दिया गया है।

इस ट्रेलर में बिहार में जहरीली शराब का आतंक दिखाया गया है। इसमें दिखाया गया है कि जहरीली शराब पीकर कई लोगों की मौत हो गई है। इस ट्रेलर में रानी दमदार डायलॉग बोलते हुए भी नजर आई, जो उनके फैंस को इंप्रेस कर रहा है। इसमें हुमा कुरैशी कहती दिखीं- बंदूक कमजोर लोग चलाते हैं। समझदार लोग दिमाग चलाते हैं। इसके अलावा कई और दमदार डायलॉग इसमें बोले गए हैं जैसे- नया बिहार, आसमान में भरेगा उड़ान और न्याय हो या बदला। एक ही बात है। सोनी लिव और हुमा कुरैशी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर महारानी सीजन 3 की रिलीज डेट का ऐलान किया है।

ब्रश करते समय कहीं आपके दांतों से भी तो नहीं आ रहा खून खतरनाक बीमारी के हैं लक्षण

ब्रश करते समय अगर दांतों में दर्द महसूस हो या खून आए या फिर किसी तरह की सूजन है तो इग्नोर करने की बजाय तुरंत अलर्ट हो जाएं। डेंटिस्ट के पास जाकर सलाह लें क्योंकि ये किसी बीमारी के शुरुआती लक्षण भी हो सकते हैं। दरअसल, ब्रश या कुल्ला करके हम सिर्फ दांतों को ही इंफेक्शन से नहीं बल्कि ओवरऑल हेल्थ को बचाने का काम करते हैं। लेकिन अगर एक हफ्ते तक दांतों या मंसूड़ों में खून आने, सूजन या दर्द की समस्याएं हो तो बिने देर किए डेंटिस्ट के पास जाना चाहिए।

दांतों या मंसूड़ों से खून क्यों आता है

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, मसूड़ों से खून निकलने की एक नहीं कई वजहें हो सकती हैं। अमेरिकन डेंटल एसोसिएशन के मुताबिक, कई बार मसूड़ों में सूजन के कारण भी ब्रश करते समय खून आने लगता है। ये मसूड़ों में बीमारी के शुरुआती लक्षण हैं। मसूड़ों की बीमारी को पेरियोडोंटल डिजीज भी कहते हैं। इस बीमारी में दांतों के चारों ओर मसूड़ों और हड्डियों में संक्रमण हो जाता है। जिससे चारों तरफ प्लक बनने लगते हैं। इस बीमारी में दांतों से खून भी आता है।

दांतों से खून आने की समस्या कब खतरनाक

महिलाओं में इस बीमारी के लक्षण प्यूबर्टी, प्रेगनेंसी, मेनोपॉज या मेंस्ट्रुअल साइकिल के दौरान देखने को मिलते हैं। उनमें ऐसा हार्मोनल बदलाव के कारण होता है।

हार्मोन मसूड़ों के पास जमा

बैक्टीरिया और प्लक के प्रति ज्यादा सेंसेटिव होते हैं। इसके अलावा स्मोकिंग, जेनेटिक, डायबिटीज जैसी बीमारी में इसका खतरा बढ़ सकता है। किसी तरह का एस्ट्रॉयड मेडिसीन या ओरल कॉन्ट्रासेप्टिव्स ले रहे हैं या फिर कैंसर या ड्रग थेरेपी चल रही है तो दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

इस तरह करें बचाव

- दिन में कम से कम दो से तीन बार ब्रश जरूर करें।
- डाइट को संतुलित रखें।
- डेंटिस्ट के पास जाकर नियमित तौर पर जांच करवाएं।
- स्मोकिंग और च्वींगम से बचें।

अदा शर्मा का "बस्तर द नक्सल स्टोरी" से खतरनाक लुक हुआ रिवील, बेबाक अंदाज में नजर आई एक्ट्रेस

विपुल अमृतलाल शाह, सुदीप्तो सेन और अदा शर्मा की अगली फिल्म बस्तर: द नक्सल स्टोरी के लिए फैंस बहुत एक्साइटेड हैं। लोगों ने इस तीकड़ी के काम को द केरल स्टोरी में भी खूब सराहा था। ऐसे में अब इनकी आने वाली फिल्म को लेकर अच्छा खासा बज बना हुआ है। मेकर्स ने एक बार फिर फिल्म से जुड़े नए पोस्टर शेयर कर दिए हैं, जिन्हें देख आपकी एक्साटमेंट डबल हो जाएगी।

बस्तर: द नक्सल स्टोरी के जुड़े हर एक अपडेट को लोगों ने जमकर प्यार दिया है। इसी कड़ी को जारी रखते हुए अब मेकर्स ने मच अवेटेड फिल्म के कुछ नए पोस्टर शेयर किए हैं। इन पोस्टरों में लीड एक्ट्रेस के साथ बाकी किरदार के सफर को भी दिखाया गया है। फिल्म के पोस्टरों की एक पूरी सीरीज सोशल मीडिया पर साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, भारतीय इतिहास का सबसे खूनी अध्याय अब तक आपसे छुपाया गया है।

पोस्टर में अदा शर्मा के किरदार की यात्रा को दिखाया है जो फिल्म में एक साहसी और रिबेल आईपीएस अधिकारी की भूमिका में हैं। इन पोस्टरों ने यकीनन फिल्म देखने के लिए दर्शकों के उत्साह को बढ़ा दिया है। बता दें, इस फिल्म के पहले टीजर में अदा शर्मा के किरदार आईपीएस नीरजा माधवन द्वारा बोला गया एक मिनट लंबा मोनोलॉग दिखाया गया है, जिसे देख हर किसी के रोंगटे खड़े हो गए थे। विपुल अमृतलाल शाह की सनशाइन पिक्चर्स और आशिन ए शाह के बैनर तले बनी बस्तर: द नक्सल स्टोरी सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित है। फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट के मुताबिक यह फिल्म 15 मार्च 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आर्टिकल 370 की एडवांस बुकिंग शुरू, फिल्म कल होगी रिलीज

अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों जबरदस्त चर्चा में हैं और हो भी क्यों ना, उनकी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म 23 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। अब इससे पहले आर्टिकल 370 की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। इस खबर की जानकारी खुद निर्माताओं ने दर्शको को दी है। बता दें, 23 फरवरी यानी सिनेमा प्रेमी दिवस के खास मौके पर आर्टिकल 30 का टिकट महज 99 रुपये में प्राप्त किया जा सकता है।

जियो स्टूडियो ने अपने एक्स हैंडल पर एडवांस बुकिंग शुरू होने की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, इतिहास बनने का गवाह बनें। अपना टिकट पहले से बुक करें। आर्टिकल 370 23 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। फिल्म में अरुण गोविल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका में दिखाई देंगे। प्रियामणि भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

फिल्म आर्टिकल 370 कश्मीर से अनुच्छेत 370 को हटाए जाने की कहानी पर है। ये फिल्म कश्मीर घाटी का हालात बयां करती नजर आएगी। इतना ही नहीं आर्टिकल 370 को हटाने में किस तरह के प्रयास और जटिलताएं सामने आईं इसकी एक झलक भी देखने को मिलेगी। इस फिल्म के निर्देशन की कमान आदित्य सुहास जंभाले ने संभाली है। इसकी कहानी यामी के पति-निर्देशक आदित्य धर ने लिखी है।

प्रचंड अशोक में विषकन्या के रूप में नजर आएंगी एक्ट्रेस मायरा मिश्रा

शो प्रचंड अशोक में शामिल होने को लेकर एक्ट्रेस मायरा मिश्रा बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक प्रेम कहानी का हिस्सा बनकर वह खुद को सौभाग्यशाली मानती हैं। वह शो में कैमियो भूमिका निभाएंगी। इस शो में मायरा एक विषकन्या के रूप में नजर आएंगी।

एमटीवी स्प्लिट्सविला और उड़ान में दिखाई देने वाली एक्ट्रेस मायरा ने शो के बारे में कहा, मैं एक ऐसे शो में शामिल होकर बेहद खुश हूं, जिसने अपने शानदार दृश्यों और सम्मोहक कहानी के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। मैं इस ऐतिहासिक प्रेम कहानी का हिस्सा बनकर सौभाग्यशाली महसूस कर रही हूं। मैं लंबे समय से ऐसी भूमिका का इंतजार कर रही थी।

मायरा ने कहा, हालांकि, विषकन्या के रूप में मेरी भूमिका छोटी है लेकिन यह जबरदस्त है। मैं दर्शकों को अपनी भूमिका से शो में होने वाले उतार-चढ़ाव का अनुभव कराने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। सम्राट अशोक के रूप में अदनान खान और राजकुमारी कौरवकी के रूप में मल्लिका सिंह अभिनीत, यह शो एक ऐतिहासिक प्रेम कहानी को दिखाता है। वर्तमान कहानी में सम्राट अशोक और देवी की शादी की तैयारियों के बीच एक विषकन्या सम्राट अशोक को लुभाने और मारने का प्रयास करती है। प्रचंड अशोक कलर्स पर प्रसारित होता है।

डीप नेक की सफेद शर्ट पहनकर अन्वेषी जैन ने दिए ऐसे-ऐसे पोज, फैंस हुए कायल

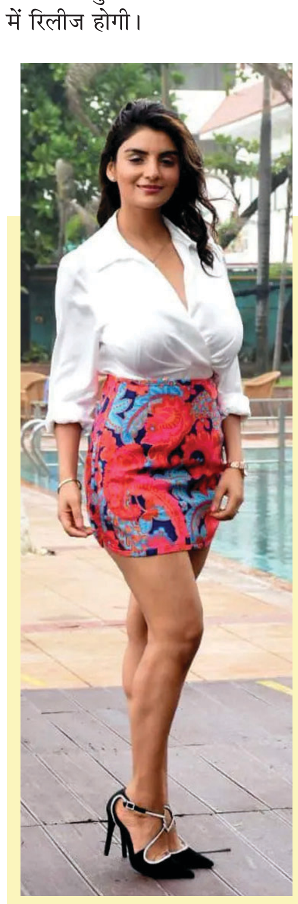

गंदी बात फेम अन्वेषी जैन अक्सर अपनी फिटनेस और बोल्ड लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। एक्ट्रेस अपने हर लुक्स में बेहद ही शानदार लगती हैं फैंस भी उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक और कॉमेंट्स करते हैं। हाल ही में अन्वेषी फिर से स्पॉट की गई हैं। उनका चुलबुला अंदाज फिर से उनके फैंस को अपना कायल बना रहा है।

एक्ट्रेस और मॉडल अन्वेषी जैन अपनी खूबसूरती और बोल्ड फिगर के लिए खूब जानी जाती है। एक्ट्रेस अन्वेषी जैन खूबसूरती के साथ-साथ अपनी फिटनेस का भी बेहद ध्यान रखती हैं।

हाल ही में अन्वेषी जैन कहीं जा रही थी तो उन्हें एक बार फिर पैपराजी ने अपने कैमरे में कैद कर लिया। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने व्हाइट कलर की शर्ट और शॉर्ट स्कर्ट के साथ हाई हील्स पहन कर अपने चुलबुले अंदाज में पूल के पास फोटोशूट करवाया है।

वेब सीरीज से सुर्खियों में रहने वाली अन्वेषी जैन आज इंटरनेट सेंसेशन बन गई है। एक्ट्रेस कुछ भी सोशल मीडिया पर अपलोड करती हैं तो वे तेजी से वायरल होने लगता है।

एकता कपूर की वेब सीरीज गंदी बात-2 में एक्ट्रेस अन्वेषी ने इंटिमेट सीन्स देकर बोल्डनेस का तड़का लगाया था। उन्होंने सीरीज में कई ऐसे हॉट सीन्स दिए जिन्हें दर्शकों ने काफी पसंद किया है। अभिनेत्री अन्वैषी जैन ने एक बार फिर अपनी कातिल अदाओं से फैंस को अपना कायल कर लिया है।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

आयुष्मान भारत कार्ड बनवाने के लिए जिले में महाअभियान किया जा रहा आयोजन

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी के नेतृत्व में जिले में शत-प्रतिशत लोगों का आयुष्मान भारत कार्ड बनाने हेतु महाभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के शतप्रतिशत लाभार्थियों का आयुष्मान भारत कार्ड बनाना है। इस हेतु जिले के समस्त विकासखण्डों में ग्राम स्तर पर महाभियान का आयोजन किया जाएगा। जिसके अंतर्गत विकासखण्ड कोरबा में 22 फरवरी को, कटघोरा में 23 फरवरी, करतला में 26 फरवरी, पोंड़ी उपरोड़ा में 28 फरवरी तथा विकासखण्ड पाली में 29 फरवरी को महाअभियान आयोजित कर लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। महाअभियान में सभी विकासखण्डों के ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य विभाग के आरएचओ, एएनएम, सीएचओ, शिक्षा विभाग तथा पंचायत विभाग के एनआरएलएम कैडर के सहयोग से छूटे हुए लोगों का नि:शुल्क आयुष्मान भारत कार्ड बनाया जाएगा। क्षेत्र के आयुष्मान कार्ड से वंचित लाभार्थियों को मितानिन द्वारा मोबिलाईज किया जाएगा। कलेक्टर अजीत वसंत तथा सीएमएचओ डॉ. केसरी ने सभी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा मितानिनों को अभियान के सफल आयोजन हेतु निर्देश दिए हैं। महाभियान के आयोजन के संबंध में ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार कर आमजनों को आयुष्मान भारत कार्ड के लाभ के बारे में जानकारी देने हेतु निर्देशित किया गया है। साथ ही आयुष्मान भारत कार्ड से वंचित लोगों का प्राथमिकता से आयुष्मान भारत कार्ड बनवाने को कहा है। उन्होने जनप्रतिनिधियों तथा जिले के नागरिकों से इस योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु अपने क्षेत्र के छुटे हुए हितग्राहियों का नि:शुल्क आयुष्मान भारत कार्ड बनवाने की अपील की है।

कोषालय के सभी बिल डिजिटल फॉर्म में होंगे जमा

कोरबा । इसी प्रकार संचालक कोष लेखा एवं पेंशन छत्तीसगढ़ रायपुर द्वारा 13 फरवरी 2024 को जारी निर्देशानुसार कोषालय में प्रस्तुत होने वाले सभी प्रकार के बिल पेपर फॉर्म के साथ-साथ डिजिटल फॉर्म में प्रस्तुत किया जाएगा। अभी तक केवल वेतन बिल में डिजिटल फॉर्म डीएससी के साथ प्रस्तुत किया जाता था। अब वेतन एरियर्स, महंगाई भत्ता, एरियर्स, अर्धवेतन, अवकाश, सभी प्रकार के वेंडर पेमेंट को पेपर फॉर्म के साथ-साथ डिजिटल फॉर्म में प्रस्तुत किया जाना होगा। समस्त आहरण अधिकारी पेपर फॉर्म के साथ-साथ डिजिटल फॉर्म में बिल कोषालय में प्रस्तुत करेंगे। कोषालय द्वारा महालेखाकार को पेपर फॉर्म के साथ-साथ डिजिटल फॉर्म में लेखा प्रेषित किया जाएगा। इसके लिए फरवरी 2024 से पेपर फॉर्म के साथ-साथ डिजिटल फॉर्म में बिल प्रस्तुत किए जाने की अनिवार्यता लागू की गई है। इस हेतु समस्त आहरण अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वेतन बिल के साथ-साथ वेतन एरियर्स, महंगाई भत्ता, अवकाश वेतन, अर्ध वेतन तथा वेंडर पेमेंट के अंतर्गत ई-बिल में बनाए जाने वाले सभी प्रकार के बिल, पेपर फॉर्म के साथ-साथ डिजिटल फॉर्म में तैयार कर कोषालय में प्रस्तुत करेंगे।

राजनांदगांव में दिव्यांगजनों के लिए सीआरसी सेंटर का भवन निर्माण ऐतिहासिक: सांसद

32 करोड़ रूपए की लागत से समेकित क्षेत्रीय केन्द्र के नये भवन का किया गया निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री भारत सरकार डॉ. वीरेन्द्र कुमार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता केन्द्रीय राज्य मंत्री ए. नारायणस्वामी एवं विधानसभा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ शासन डॉ. रमन सिंह की वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से उपस्थिति में सांसद संतोष पाण्डेय ने 32 करोड़ रूपए की लागत से राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम ठाकुरटोला में नवनिर्मित दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण समेकित क्षेत्रीय केन्द्र (सीआरसी) के नये भवन का उद्घाटन किया।

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि राजनांदगांव जिले के लिए ऐतिहासिक क्षण है। यहां दिव्यांगजनों के लिए समेकित क्षेत्रीय केन्द्र भवन का निर्माण किया गया है। यहां दिव्यांगजनों के लिए सभी प्रकार के यंत्र, प्रशिक्षण, पालकों को प्रशिक्षण और सभी प्रकार की व्यवस्था इस अत्याधुनिक भवन में व्यवस्थित रूप से की जाएगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का इस भवन निर्माण के लिए लगातार प्रयास रहा है। आज राजनांदगांव जिले को नये भवन की सौगात मिली है।

जिसमें केवल राजनांदगांव ही नहीं पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लोगों को लाभ प्राप्त होगा। यहां दिव्यांगजनों को सभी प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को विकसित भारत बनाने के लिए तथा विश्व में अग्रणी देश बनाने के लिए जो संकल्प लिया है। हम सब उसमें सहभागी और सहयोगी बनेंगे। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास हम सब भागीदारी बनेंगे। उन्होंने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री भारत सरकार डॉ. वीरेन्द्र कुमार को नये भवन के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान सांसद संतोष पाण्डेय ने हितग्राहियों को सहायक उपकरण हियरिंग एड, टीएलएम किट, गतिशीलता उपकरण, व्हील चेयर सहित अन्य उपकरण प्रदान किया गया। सांसद पाण्डेय ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को शुभकामनाएं एवं शुभेक्षा दी।

उल्लेखनीय है कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण समेकित क्षेत्रीय केंद्र राजनांदगांव (सीआरसी) की स्थापना 25 जून 2016 को की गई थी। यह राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी) सिकंदराबाद के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य कर रहा है। समेकित क्षेत्रीय केंद्र दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम 2016 में उल्लेखित सभी 21 प्रकार के दिव्यांगजनों को पुनर्वास और विशेष शिक्षा सेवाएं प्रदान करता है और बहुत से गतिविधियों का संचालन करके शैक्षणिक सेवाएं भी प्रदान करता है। जिसमें अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम, जागरूकता कार्यक्रम और विशेष शिक्षा बौद्धिक दिव्यांगता में एक दीर्घकालिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित है। समेकित क्षेत्रीय केंद्र राजनांदगांव वर्तमान में दिव्यांगजनों के लिए विभिन्न सेवाएं प्रदान करता है। जिसमें प्रारंभिक पहचान और हस्तक्षेप, व्यावसायिक चिकित्सा, फिजियोथेरेपी, शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास, मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप, प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स, वाक्य, भाषा और श्रवण जांच, विशेष शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण, व्यावसायिक प्रशिक्षण, सामाजिक कार्य, प्लेसमेंट, दूरस्थ सेवाएं, मानव संसाधन विकास, अनुसंधान एवं विकास, किरण मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन (एमएचआरएच) छत्तीसगढ़ राज्य के लिए सीआरसी राजनांदगांव द्वारा संचालित की जाती है। इसके अलावा बौद्धिक दिव्यांजनों को शारीरिक दिव्यांगता के अनुरूप सहायक उपकरण कृत्रिम अंग, बैसाखी, व्हील चेयर आदि और शिक्षण एवं शिक्षण सामग्री (टीएलएम) किट सहित सहायक उपकरणों का नियमित वितरण एडीआईपी योजना के तहत निरूशुल्क किया जाता हैं। श्रवण बाधित व्यक्तियों के लिए कान के पीछे में लगने वाला श्रवण यंत्र प्रदान किया जाता है।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समेकित क्षेत्रीय केंद्र राजनांदगांव का नया भवन ग्राम पंचायत ठाकुरटोला में 32 करोड़ रूपए की लागत से 4151.38 वर्ग मीटर भूमि में निर्मित किया गया है। यह भवन 2 मंजिलों में अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ बनाई गई है। भवन को सभी प्रकार के दिव्यांगजनों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी सार्वभौमिक सुलभ सुविधाओं के साथ डिजाइन किया गया है। हाथ की रेलिंग के साथ रैंप और सीढियां, ब्रेल साइनेज बोर्ड, पीले रंग के स्पर्शनीय नालीदार टाइल वाले फर्श। गलियारे की चौड़ाई सामान्य से अधिक रखी गई है और दोगुनी ऊंचाई की रेलिंग लगाई गई है, ताकि बौने दिव्यांगजनों के साथ-साथ विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए भी स्वतंत्र रूप से चलना सुविधाजनक हो। दिव्यांगजनों की गोपनीयता बनाए रखने के लिए सुलभ शौचालयों को कम ऊंचाई और आसान लॉकिंग सिस्टम के साथ तय किया गया है। मुख्य प्रवेश द्वार के पास दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभ पार्किंग सुनिश्चित की गई है। इस सेवाओं के लिए सीआरसी राजनांदगांव में आने वाले दिव्यांग व्यक्तियों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए इस भवन में हरियाली वाले लॉन और उद्यान हैं। भवन परिसर में सौर प्रणाली और वर्षा जल संचयन प्रणाली का प्रस्ताव है। इमारत आधुनिक अग्नि सुरक्षा सेंसर और अग्नि सुरक्षा उपकरणों से भी सुसज्जित है। सीआरसी कैंपस में सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में रहेगा और इस भवन में इंटरनेट लीज्ड लाइन सुविधा उपलब्ध होगी, जो तेज और विश्वसनीय ऑनलाइन संचार में मदद करेगी और हमें वर्चुअल प्रशिक्षण के साथ-साथ टेली-पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाएगी। यह भवन दिव्यांगजनों के लिए पूरी तरह से बाधारहित है और इसे दिव्यांगजनों के लिए अत्याधुनिक केंद्र बनाने के लिए सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

नारी सशक्तिकरण की पर्याय है महिला कमांडो, सामाजिक उत्थान के कार्य में उनका कार्य अतुलनीय : कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कहा कि शमशाद बेगम के नेतृत्व में गठित महिला कमाण्डों आज सामाजिक उत्थान एवं सामाजिक जागृति के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट कार्यों के बदौलत नारी सशक्तिकरण का पर्याय बन गया है। कलेक्टर चन्द्रवाल आज सहयोगी जन कल्याण समिति द्वारा नगर पंचायत गुण्डरदेही के सामुदायिक भवन में आयोजित एक दिवसीय प्रेरणा सम्मेलन में अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। वे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम में प ऽ शमशाद बेगम, पुलिस अधीक्षक सुरजन राम भगत सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर चन्द्रवाल ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान, बालिका शिक्षा, मतदाता जागरूकता कार्यक्रम एवं कुपोषण मुक्ति अभियान जैसे सामाजिक जागृति के अनेक कार्यों को सफलतापूर्वक संपादित करने के कारण महिला कमाण्डो का कार्य निश्चित रूप से अतुलनीय एवं अत्यंत सराहनीय है।

कलेक्टर चन्द्रवाल ने कहा कि महिला कमाण्डो के द्वारा अभी हाल में ही राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु राज्य में शुरू की जा रही महतारी वंदन योजना के फॉर्म भराने में सहयोग करने का बेहतरीन कार्य किया गया है। इसके अलावा स्वच्छता अभियान, बालिका शिक्षा, मतदाता जागरूकता, साइबर क्राइम रोकने जागरूकता, सड़क दुर्घटना रोकने, महतारी वंदन योजना, उज्ज्वला योजना, आवास योजना, कुपोषित बच्चों को गोद लेकर सुपोषित करने आदि कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाकर शासन-प्रशासन के साथ अपनी अमूल्य सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। चन्द्रवाल ने कहा कि महिला कमाण्डो द्वारा कुपोषित बच्चों को गोद लेकर उन्हें सुपोषित करने का अभिनव एवं अत्यंत जनहितैषी का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा नशामुक्ति अभियान में भी महिला कमाण्डो का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि महिला कमाण्डो कोई भी नेक कार्य करने के लिए यदि ठान लेता है तो उसे लक्ष्य प्राप्ति के उपरांत ही विश्राम लेता है। चन्द्रवाल ने महिलाओं का सामाजिक उत्थान के कार्य में बहुमूल्य भागीदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं की उन्नति पर ही परिवार, समाज एवं राष्ट्र की उन्नति निहित है। इस अवसर पर चन्द्रवाल ने जिला प्रशासन के द्वारा महिला कमाण्डो के द्वारा की जा रही जनहित के कार्यों को पूरा करने में हर संभव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन भी दिया।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत नवीन राशनकार्ड का किया वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री एवं जांजगीर जिले के प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत जांजगीर जिले की महिलाओं को नवीन राशनकार्ड का वितरण किया। जिले के पात्र हितग्राहियों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत अंत्योदय, प्राथमिकता, निराश्रित एवं निशक्तजन राशनकार्ड के द्वारा राशन का वितरण किया जा रहा है। बुधवार को प्रभारी मंत्री ओपी चौधरी के द्वारा जांजगीर जिले में श्रीमती सविता सारथी, श्रीमती सावित्री देवी सोनी, श्रीमती सीमा सारथी, श्रीमती मीना तिवारी तथा श्रीमती कंतराबाई को नवीन राशन कार्ड का वितरण किया गया।उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत प्रचलित राशनकार्डो का नवीनीकरण किया जा रहा है। जिसकी अंतिम तारीख 25 फरवरी 2024 है। इसमें कम से कम एक सदस्य का ई-केवायसी पूर्ण हो। अत्यधिक वृद्ध तथा शारीरिक रूप से निशक्त ऐसे हितग्राही जिनके लिए नामिनी नियुक्त हैं, उन्हें इस प्रावधान से छूट होगा। छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के ऐसे नागरिक पलायन या अन्य किसी कारणवश राज्य से बाहर हैं, उनको राशनकार्ड नवीनीकरण कार्य के लिए घबराने की जरूरत नहीं है।

राशन कार्डधारियों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए राशन कार्ड का नवीनीकरण खाद्य विभाग द्वारा तैयार एप्प से हितग्राही स्वयं अपने मोबाइल में अथवा उचित मूल्य दुकानों में संधारित टैबलेट अथवा दुकान संचालक के पंजीकृत एंड्रॉयड मोबाइल में डाउनलोड कर आवेदन कर सकता है।

बिरनपुर हत्याकांडः ध्यानाकर्षण के जरिए विधायक साहू ने उठाया मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा में बुधवार को बिरनपुर में हुई हत्या का मामला उठा. ध्यानाकर्षण के जरिए भाजपा विधायक ईश्वर साहू ने मामला उठाते हुए कहा कि घटना के वक्त सीबीआई जांच की बात कही गई थी. क्या सीबीआई जांच कराई जाएगी इस पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सदन में घोषणा की कि बिरनपुर मामले की सीबीआई से जांच कराई जाएगी।

ईश्वर साहू ने सदन में कहा कि 8 अप्रैल को हुई घटना में भुवनेश्वर साहू की हत्या में 34 आरोपी के नाम सामने आये थे, इनमें 12 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, बाकी आरोपी गिरफ्तार क्यों नहीं हुए इस पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि एक समाज के चार स्कूली बच्चों के बीच विवाद की स्थिति के बाद समाज ने सुलह के लिए बैठक रखी थी. इस बैठक के बाद भुवनेश्वर साहू की हत्या कर दी गई थी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भागीरथी साहू की शिकायत पर अपराध पंजीबद्ध किया गया. मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष अनुसंधान टीम का गठन किया गया था. 8 अप्रैल को 11 आरोपियों की गिरफ़्तारी की गई. एक अन्य की गिरफ़्तारी बाद में की गई. अभियोग पत्र 5 जुलाई को कोर्ट में प्रस्तुत किया गया है. मामले की विवेचना जारी है. इस पर भाजपा विधायक ने कहा कि अंजोर यदु ने घटना की शुरुआत की थी, लेकिन आज तक उस पर कार्रवाई नहीं की गई। विजय शर्मा ने कहा कि मैने स्पष्ट किया है गांव में जो घटना हुई भुनेश्वर साहू की हत्या हुई. न्याय की लड़ाई लड़ते-लड़ते उनके पिता आज सदन में अपनी बात कह रहे हैं, यह अद्भुत संयोग है. मैं आपसे कहना चाह रहा हूं, कि इस प्रकरण में सेक्शन 173 सीआरपीसी के तहत विवेचना जारी. जिस संदर्भ में बातचीत हुई उचित प्रमाण मिले वह जेल में है, परंतु जिनके संदर्भ में ऐसा नहीं हुआ, उनकी विवेचना जारी है. 40 लोगों के नाम दिए गए थे, उसमें 12 लोग के नाम स्न्हृक्र थे उन सभी के संबंध में विवेचना जारी है आगे भी करवाई जारी रहेगी। ईश्वर साहू ने कहा कि विशेष समुदाय के लोगों के पास सैकड़ो हथियार हथियार थे उसे समय अधिकारियों ने कहा था कि उसे जप्त करेंगे लेकिन अभी तक जब तक क्यों नहीं हुए इस पर विजय शर्मा ने कहा कि इसमें संबंध में जो भी हथियार उपयोग किया गया था, उन सब को जमा किया गया है कुछ हथियारों को एफएसएल रिपोर्ट के लिए भेजा गया है. गांव में पुलिस चौकी है, और यह निर्धारित किया जा रहा है कि गांव में कोई बड़ा हथियार नहीं है। ईश्वर साहू ने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि अवैध हथियार कब तक जप्त किया जाएगा इस पर विजय शर्मा ने कहा कि एक बार गांव में सभी घरों में बातचीत चर्चा गांव के माध्यम से करके और जहां आवश्यकता हुई वहां तलाशी के माध्यम से सुनिश्चित करेंगे कि कोई बड़ा हथियार किसी की घर में ना, हो या सुनिश्चित करेंगे। ईश्वर साहू ने इस पर कहा कि मैं स्वयं मृतक का पिता हूं मैं सदन से जानना चाहता हूं मुझे न्याय मिल पाएगा या नहीं और मिलेगा तो कब तक मिलेगा विजय शर्मा ने जवाब में कहा कि उनके प्रश्न और विषयों को लेकर के मैं अभिभूत हूं. हर हाल में हम सब मिलकर उनको न्याय मिले, उनको और उनके मन में जो बातें हैं, वह सारी बातें ठीक हो. उन सारे विषय को ठीक हो वह सारी जानकारी हो जाए. मैं भी चाहता हूं, इसके लिए जैसी आवश्यकता होगी वह पूरा करेंगे। ईश्वर साहू ने इस पर कहा कि घटना के समय अधिकारियों द्वारा सीबीआई जांच करवाने का आश्वासन मिला था।

निकरा परियोजना के प्रभाव से फिर से शुरू हुई गाँव में टमाटर की खेती

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। कृषि विज्ञान केंद्र रायगढ़ के निकरा परियोजना के प्रभाव से टमाटर की खेती छोड़ चुके किसानों में आशा की किरण दिखने लगी है। इस परियोजना अंतर्गत गोद ग्राम जुनवानी में सोलेनेसी कुल के सभी फसलों जैसे टमाटर, बैगन आदि पौधों में वर्ष भर सडने्-गलने एवं उकठा रोग से पौधे की नष्ट होने कि समस्या विगत कुछ वर्षो से विकराल रूप धारण कर ली थी, जिससे किसानों को बहुत ज्यादा नुकसान होता था।

फलस्वरूप इस भयंकर समस्या से परेशान होकर किसान अपने फसल पद्धति में टमाटर कि खेती छोड़ दिए थे, जिसके निदान हेतु कृषि विज्ञान केंद्र रायगढ़ के निकरा परियोजना के प्रधान अन्वेषक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ.बी.एस.राजपूत के मार्गदर्शन एवं केंद्र के वैज्ञानिकों जिसमें परियोजना के सह अन्वेषक व मृदा वैज्ञानिक के.डी.महंत, उद्यानिकी वैज्ञानिक डॉ.बंजारा, पौध रोग वैज्ञानिक मनोज साहू के विशेष प्रयास से किसानों के खेत में भ्रमण के दौरान गहन परीक्षण कर समस्या के निदान हेतु कड़ी मेहनत व प्रयास से पता लगाया गया कि सब्जी कि खेती के लिए विशेष पहचान बना चुकी जुनवानी ग्राम में रेतीली, लाल, बलुई मिटटी उपलब्ध है तथा बार-बार एवं वर्ष भर एक ही फसल लेने के कारण मृदा जनित उकठा रोग (जीवाणु एवं फफूंद जनित)का काफी ज्यादा प्रकोप बढ़ जाता है। इस समस्या के प्रबंधन हेतु केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा उकठा रोग के प्रतिरोधक एवं उन्नत किस्म अर्का सम्राट की खेती का विशेष प्रशिक्षण एवं 13 किसानों के खेत में सफलतापूर्वक जीवंत प्रदर्शन किया गया जिससे ग्राम के किसान टमाटर की सफल खेती से अतिरिक्त आमदनी भी कमा रहें है।

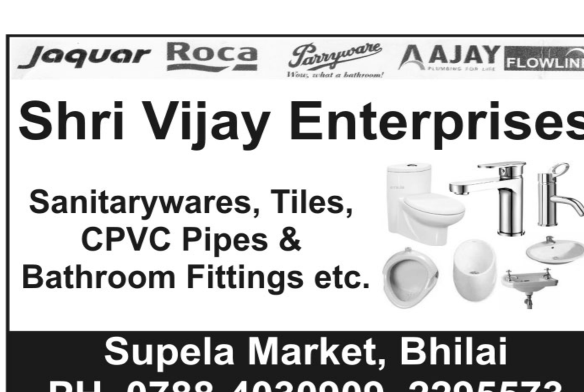

खास खबर

ट्रेलर ड्राइवर को रोककर मांगे रुपये, मना करने पर कर दी जमकर पिटाई

बिलासपुर। चकरभाठा क्षेत्र के दाधापारा में युवकों ने ट्रेलर के ड्राइवर को रोककर रुपये मांगे। मना करने पर युवकों ने ड्राइवर की पिटाई कर दी। मारपीट से घायल ड्राइवर ने घटना की शिकायत की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले की जांच में लिया है। तिफरा में रहने वाले उमेश राय ड्राइवर हैं। मंगलवर की रात वे अपने ट्रेलर में कोयला लोड कर दाधापारा रेलवे साइडिंग की ओर जा रहे थे। परसदा आवासपाार के पास गांव के शुभम यादव, महेंद्र यादव और उसके साथियों ने हाथ मारकर ट्रेलर रोकने के लिए। वाहन के रुकते ही युवकों ने पास आकर ड्राइवर से रुपये मांगे। मना करने पर युवकों ने जान से मारने की धमकी देकर ड्राइवर की पिटाई शुरू कर दी। मारपीट के बाद युवक भाग निकले। उन्होंने घटना की जानकारी अपने मालिक को दी। इसके बाद उन्होंने घटना की शिकायत चकरभाठा थाने में की है। ड्राइवर की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

मोटरसाइकिल की डिक्की से रुपये निकालकर भागे बाइक सवार

बिलासपुर। रतनपुर क्षेत्र के बेलतरा में बाइक सवार युवकों ने किसान के मोटरसाइकिल की डिक्की से 50 हजार रुपये निकाल लिया। किसान कुछ समझ पाते इससे पहले ही बाइक सवार भाग निकले। उन्होंने आसपास के लोगों को घटना की जानकारी देकर रतनपुर थाने में शिकायत की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। रतनपुर क्षेत्र के ग्राम धौरामुड़ा नगरिहापारा में रहने वाले शंकर सिंह टेकाम (50) किसान हैं। मंगलवार को बेलतरा स्थित सहकारी बैंक आए थे। बैंक से 50 हजार रुपये निकालकर उन्होंने अपनी गाड़ी की डिक्की में रखा। इसके बाद वे बाइक रिपयेर कराने के लिए दिया।

बाइक रिपेयर कराने के बाद वे दवा लेने के लिए मेडिकल स्टोर जा रहे थे। सड़क किनारे बाइक खड़ी कर वे मेडिकल स्टोर की ओर जा रहे थे। कुछ कदम चलने के बाद ही बाइक सवार दो लोग उनकी मोटरसाइकिल के पास आकर रुके। वे कुछ समझ पाते इससे पहले ही बाइक सवार लोगों ने उनकी मोटरसाइकिल की डिक्की से रुपये निकालकर पाली की ओर भागने लगे। उन्होंने शोर मचाकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी दी। पीड़ित किसान ने घटना की शिकायत रतनपुर थाने में की है। इस पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है।

चोरी की नीयत से प्लांट में केबल कटर लेकर घुस रहा था बदमाश, सीआईएसएफ ने पकड़कर किया पुलिस के हवाले

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट में चोरी की नीयत से प्रवेश करने के प्रयास में एक बदमाश को सीआईएसएफने धर दबोचा। बदमाश ने बीएसपी कर्मी का गेटपास अपने पास रखा था और फर्जी तरीके से प्लांट में घुसने का प्रयास कर रहा था। सीआईएसएफकी महिला कांस्टेबल ने गेटपास से फोटो का मिलान किया तो नहीं हुआ। यह देख वह भागने लगा। जवानों ने उसे दौड़ाकर पकड़ा। बदमाश की बाइक व उसके पास से केबल कटर बरामद किया गया। आगे की कार्रवाई के लिए आरोपी युवक को भिलाई भट्ठी पुलिस के हवाले कर दिया गया।

मिली जानकारी अनुसार सीआईएसएफ के एसआई तुलसी दास ने भिलाई भट्ठी पुलिस को बताया कि 20 फरवरी की द्वितीय पाली में रात लगभग 7:20 बजे एक व्यक्ति अपनी मोटर साइकिल क्रमांक CG 04 HJ 9286 से भिलाई इस्पात संयंत्र के मेनगेट पहुंचा। इन गैलरी से संयंत्र में प्रवेश करने से पहले वहां तैनात महिला आरक्षक नमिता नौरंगे ने उसका गेट पास चेक किया तो देखा कि गेट पास पर नाम रवि कुमार, पर्सनल नं. 406062, पद ACT, Deptt. SMS-03 लिखा हुआ है। उक्त व्यक्ति का चेहरा गेट पास के फोटो से मिलान नहीं हो रहा है।

जांच पकड़े जाने के डर से वह व्यक्ति अपनी मोटर साईकिल छोड़कर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन जवानों ने उसे तुरंत पकड़ लिया गया। वह व्यक्ति बीएसपी कर्मचारी का गेट पास (सभी सुरक्षा मानकों के साथ) दिखाकर प्लांट में प्रवेश करने का प्रयास कर रहा था। पकड़े गये व्यक्ति से पूछताछ करने पर पता चला कि उसका वास्तविक नाम अक्षय कुमार साहू पिता रमेश कुमार उम्र (37) निवासी स्टेशन मरोदा पोस्ट ऑफिस नेवई जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ है। बीएसपी संयंत्र के मेन गेट के इन गैलरी से संयंत्र में प्रवेश करते समय अक्षय कुमार साहू के साथ केबल कटर एवं मोटरसाइकिल जब्त किया गया।

पहले भी प्लांट में चोरी करते पकड़ाया

भट्ठी पुलिस ने बताया कि आरोपी अक्षय कुमार पहले भी चोरी के मामले में प्लांट से पकड़ाया था। उसे पूर्व में भी चोरी के मामले में सीआईएसएफ द्वारा पकड़ा गया था और भिलाई भट्ठी थाना को सुपुर्द किया गया था। 17 मई 2023 को भिलाई भट्ठी थाना द्वारा उस पर आवश्यक कानूनी कार्यवाही करते हुए जेल भेजा था। भट्ठी पुलिस ने बताया कि भिलाई इस्पात संयंत्र एक प्रतिबंधित क्षेत्र है जहां अक्षय कुमार साहू ने यह जानते हुये कि वह गेट पास उसका नहीं है फिर भी प्लांट में प्रवेश का प्रयास किया। स्वयं को प्रतिरूपण कर बीएसपी कर्मचारी रवि कुमार बताकर चोरी की नियत से अनाधिकृत रूप से भिलाई इस्पात संयंत्र में प्रवेश करने का प्रयास करते हुये रंगे हाथों सीआईएसएफबल सदस्यों के द्वारा पकड़ा गया है।

ट्रैक्टर से टकराने से बाइक सवार युवक की मौत, एक घायल

कोरबा। जिले में सड़क दुर्घटनाएं कम नहीं हो रही है। दो दिन में तीन लोगों की मौत होने के बाद बुधवार को पुनः ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जबकि बाइक सवार दूसरा व्यक्ति घांयल हो गया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना कटघोरा थाना अंतर्गत घुमानीडांड तान नदी पुल पर हुई। बताया जा रहा है कि मंगलवार की देर रात घुमानीडांड मुख्य रोड पर दो युवक बाइक पर सवार होकर आ रहे थे। पुल पर एक ट्रैक्टर खड़ा था, जिसे अंधेरा होने के चलते दोनों बाइक सवार देख नहीं पाए। बाइक सीधे जाकर ट्राली में घुस गई। हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौके पर मौत हो गई, वहीं दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना के बाद वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। राहगीरों ने कटघोरा पुलिस व डायल 112 को घटना की सूचना दी। स्थल पर पहुंची पुलिस टीम वैधानिक कार्रवाई के बाद शव मर्च्यूरी में रखा दिया। वहीं घायल युवक को पोड़ी उपरोड़ा स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। यहां युवक की गंभीर हालत को देखते

हुए उसे जिला मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

बुधवार को पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करा शव स्वजनों को सौंप दिया। मामले में पुलिस विवेचना कर रही है। यहां बताना होगा कि एक दिन पहले ही कटघोरा थाना अतंर्गत बाइक सवार दंपति को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी थी। घटना में दंपति की मौत हो गई थी, वहीं उनका नाती गंभीर रूप से घायल हो गया। इधर कोरबा में दर्री डेम के पास ओवहरटेक कर रहे बाइक सवार की ट्रेलर के चपेट में आने से मौत हो गई। तेज रफ्तार की वजह से लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं।

धमतरी में पीजी कालेज की अतिथि व्याख्याता को पति ने बेल्ट से पीटा, जान से मारने की दी धमकी, मामला दर्ज

धमतरी। पीजी कॉलेज धमतरी की अतिथि व्याख्याता को उसके पति ने हाथ मुक्का, लात बेलन, वाइपर, बेल्ट से बुरी तरह से पीटा है। महिला को काफी चोट आई हैं। उसे जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

सिटी कोतवाली पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पंचवटी कालोनी में किराए के मकान में निवासरत पीजी कॉलेज धमतरी की अतिथि व्याख्याता के साथ उनके आरोपी पति सूर्यप्रकाश तिवारी ने 20 फरवरी की रात मारपीट की। पुलिस ने बताया कि महिला से उनके पति ने मोबाइल फोन को मांगा और उसमें से काल रिकार्डिंग जांचने लगे। रिकार्डिंग को अपने मोबाइल फोन पर भेजा।

इसके बाद चरित्र पर शंका करते हुए अश्लील गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। हाथ मुक्का, लात, बेलन, वाइपर एवं बेल्ट से बुरी तरह से पीटा। रात 11 बजे से दूसरे दिन सुबह पांच बजे तक लगातार मारपीट की। महिला के दोनों पैर, दोनों हाथ, कमर, चेहरा, सिर, शरीर में कई स्थानों पर चोट आई हैं। अतिथि व्याख्याता की आरोपी पति के साथ चार अगस्त 2023 को शादी हुई थी। पुलिस ने आरोपी पति के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध किया है।

कॉलेज के प्राध्यापक एवं डीएसपी पहुंची अस्पताल

अतिथि व्याख्याता के मारपीट में बुरी तरह से घायल होकर जिला अस्पताल धमतरी में भर्ती होने की जानकारी होने पर शासकीय पीजी कालेज की प्राचार्य डॉ. श्रीदेवी चौबे, अन्य प्राध्यापक एंव स्टाफ के लोग हालचाल जानने पहुंचे। डीएसपी नेहा पवार ने भी अस्पताल पहुंचकर महिला का हाल देखा।

शादी के पांच साल बाद भी नहीं हुई संतान तो अपने ही साथी के बच्चे को ले भागा, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक युवक ने अपने ही साथी कर्मचारी के बच्चे का अपहरण कर लिया। वह बच्चे को लेकर मध्यप्रदेश अपने गृहग्राम जा रहा था। इससे पहले ही पुलिस ने उसे कवर्धा से गिरफ्तार कर लिया। युवक बच्चे को चॉकलेट दिलाने के बहाने ले गया था। पुलिस ने बच्चे को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार भनपुरी के गीता नगर निवासी रवि सिंह राजपूत जिस फैक्ट्री में काम करता है वहां मध्यप्रदेश के डिंडौरी निवासी आनंद कुमार भी काम करता है। रवि राजपूत ने फैक्ट्री में रहने वाले दो कर्मचारियों को अपने घर पर कमरा किराए पर दिया है। मंगलवार को आनंद कुमार अपने साथी कर्मचारियों से मिलने रवि राजपूत के घर पहुंचा। इस दौरान रवि का छोटा बेटा शिवा (3) खेलते हुए आनंद के पास पहुंचा और उसके मोबाइल पर वीडियो देखने लगा। इस बीच आनंद ने चॉकलेट दिलाने का झांसा दिया और शिवा को अपने साथ ले गया। इस दौरान रवि राजपूत की पत्नी रेखा ने देखा था और कहा था कि शिवा को घर छोड़ दे। लगभग एक घंटे बाद रेखा ने अपने बड़े बेटे से शिवा के बारे में पूछा तो बताया वह नहीं लौटा है। इसके बाद रेखा ने अपने पति रवि को सारी बात बताई। रवि ने आनंद को कॉल किया तो मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। इसके बाद रवि थाने पहुंचा और शिकायत दर्ज कराई।

कवर्धा से पकड़ाया आरोपी

बच्चे के अपहरण की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित एक्शन लिया। इसके बाद आसपास सीसी टीवी फुटेज जांचे। फुटेज के आधार पर पुलिस को पता चला कि आनंद कवर्धा की ओर गया है। रायपुर पुलिस ने कवर्धा पुलिस से संपर्क किया और कुछ ही घंटों में आनंद को कवर्धा के बोड़ला में घेराबंदी कर पकड़ लिया। वह बस से अपने गृहग्राम भाग रहा था। पुलिस पूछताछ में आनंद ने बताया कि उसकी शादी के 5 साल हो गए हैं, लेकिन उसे कोई संतान नहीं है। पत्नी के बांझपन के कलंक को मिटाने के लिए उसने रवि सिंह के बेटे को अगवा किया।

रायगढ़ में हाथी का आतंकः सो रही महिला को कुचलकर मार डाला, मकान के साथ फसल भी तहस नहस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में हाथी के आतंक से लोग भयभीत हैं। मंगलवार की रात को यहां जंगली हाथी ने घर में सो रही महिला को कुचलकर मर डाला। सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस व वन विभाग के अफसर मौके पर पहुंचे और मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

मिली जानकारी के अनुसार रायगढ जिले के तमनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कसडोल के आश्रित गांव कांटाझरिया में मंगलवार की रात 10 बजे एक जंगली हाथी पहुंच गया। रात में अचानक गांव में हाथी के आने से लोगों में अफर तफरी का माहौल बन गया। इस बीच जंगली हाथी ने एक किसान की फसल को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ एक मकान को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। वहीं घर में अकेली सो रही महिला चमरीन मांझी (60) कुचलकर मौत के घाट उतार दिया।

मंगलवार की रात जंगली हाथी के हमले से महिला की मौत होने की जानकारी मिलते ही रायगढ़ वन परिक्षेत्र के रेंजर लीला पटेल बुधवार की सुबह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मृतका के परिजनों को तत्कालीक सहायता राशि के रूप में 25 हजार रुपए परिजनों को दिए। वहीं हाथी के कारण हुए नुकसान का आंकलन करने के बाद मुआवजा राशि देने का भी आश्वासन दिया गया। घटना की सूचना मिलने के बाद तमनार पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद वन विभाग के द्वारा हाथी प्रभावित क्षेत्रों में लगातार मुनादी शुरू कर दी गई। वन विभाग द्वारा गांव के लोगों को जंगली हाथी से दूरी बनाये रखने अपील की जा रही है।

शादी के दबाव से तंग आकर प्रेमी ने की युवती की हत्या गुमराह करने पेड़ पर लटकाया शव, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। तीन दिन पहले जंगल में पेड़ पर युवती की आत्महत्या का मामला पुलिस ने सुलझा लिया है। दरअसल यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या थी। युवती अपने प्रेमी पर शादी का दबाव बना रही थी, इससे त्रस्त होकर प्रेमी उसे अपने साथ जंगल में ले गया। जंगल में प्रेमी ने युवती के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद प्रेमिका की हत्या कर उसे पेड़ पर फंदे से लटका दिया, ताकि लोगों को लगे कि युवती ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

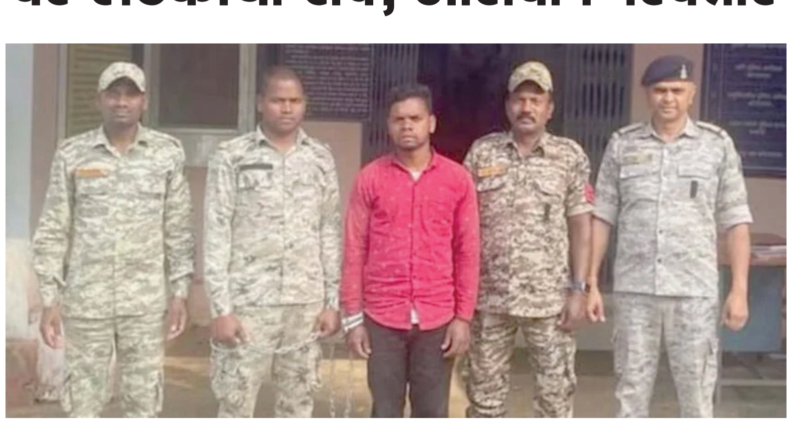

इस मामले में मृतका के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया कि 16 फरवरी के शाम 4 बजे रिश्तेदार की बेटी की शादी में शामिल होने सहेली के साथ ग्राम कुरलुबहार गई थी। प्रार्थी की पुत्री रात्रि में घर वापस नही आने पर उसकी सहेली से पूछने पर उसने बताया कि प्रार्थी के पुत्री के साथ महेश के मोटर सायकल में बैठकर रात्रि 10.30 बजे वापस आ गई थी। प्रार्थी की पुत्री के घर नही आने पर प्रार्थी अपने सगे सम्बंधियों एवं रिश्तेदारों के यहां पता तलाश की। इस बीच 18 फरवरी 2024 को 10 बजे गांव के लोगों के माध्यम से पता चला कि उसकी बेटी ने भुसरकली जंगल में फांसी लगा ली है।

प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना माकडी में मर्ग क्र. 07/2024 धारा 174 जा.फी. कायम कर थाना प्रभारी विनोद कुमार साहू के हमराह स्टॉफ घटनास्थल के लिए रवाना हुए। मौके पर पहुंची पुलिस टीम के निरीक्षण पर युवती की मौत संदिग्ध लगी। घटनास्थल की बारिकी से जांच कर सबूत एकत्रित किए गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए जगदलपुर से वैज्ञानिक अधिकारी शषांक द्विवेदी को बुलाया गया। घटनास्थल की बारिकी से जांच कर युवती की मौत में संदेह जाहिर किया गया। मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। रिपोर्ट में युवती के साथ अनाचार करने के साथ ही युवती की हत्या गला घोटकर करने की बात सामने आई। जांच में पता चला युवती किसी युवक के साथ प्रेम में थी और अपने प्रेमी से शादी करने के लिए लगातार दबाव बना रही थी।

पुलिस ने जांच की तो पता चला कि युवती का प्रेम-प्रसंग कुरलूबहार में रहने वाले युवक लखींचद मरकाम से चल रहा था। लखीचंद ने युवती से शादी का वादा कर उसका शारिरिक शोषण किया था। इसी दौरान लखीचंद का रिश्ता ओडिशा की एक लड़की से तय कर दिया गया। लखीचंद का रिश्ता तय होते ही युवती परेशान हो गई और वह लखीचंद से ओडिशा निवासी युवती से रिश्ता तोड़ने की बात कह रही थी। लखीचंद लगातार बढ़ रहे दबाव के चलते गुस्से में था और उसने हत्या की प्लानिंग रच डाली। युवक ने गूगल में हत्या करने का तरीका भी सर्च किया, लेकिन तमाम कोशिश के बाद भी पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
द्वितीय आमंत्रण
दुर्ग, दिनांक 19.02.2024

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र 'अ' में प्रतिशत दर पर दिनांक 05.03.2024 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
352/ दुर्ग (दुर्ग)/2023	ग्राम बानबरद में हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य।	60.65

टीप : 1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. क्रमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जावें।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग
दूरभाष 0788-2210876
जी-07967/5

भिलाई की सबसे बड़ी चूड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

फौजी नगर में नहीं लगेगा उद्योग, विधायक रिकेश की पहल पर आबंटन निरस्त, पूर्व सरकार ने दी थी जमीन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। औद्योगिक क्षेत्र हाउसिंग बोर्ड इलाके के फौजी नगर में अब उद्योग नहीं लगेगा। पिछली सरकार में उद्योग लगाने के लिए खेल मैदान? की जमीन का अलॉर्टमेंट हो गया था जिसे रद्द कर दिया गया है। बुधवार को विधानसभा में वैशालीनगर विधायक रिकेश सेन ने यह मुद्दा उठाया। इसके बाद मामला सरकार के संज्ञान में आया और आदेश जारी हुआ कि वहां अलॉर्टेड जमीन का आबंटन निरस्त किया जाता है। इस संबंध में उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने ऐलान किया है।

बता दें जामुल थाना क्षेत्र के फौजी नगर में उद्योग लगाए जाने को लेकर पिछले महीने विवाद गरमा गया था। फौजी नगर के निवासियों से निर्माणाधीन फैक्ट्री के संचालक विनय अग्रवाल और प्रमोद अग्रवाल की हर समय तू तू मैं मैं होती रही और एक दिन मारपीट भी हो गई। इससे पहले दोनों अग्रवाल बंधुओं ने मोहल्ले के एक युवक की जमकर पिटाई की थी जिससे मोहल्ले के लोग भड़क गए और उन्होंने दोनों को घेरकर मारपीट की लेकिन पुलिस ने इस मारपीट के बाद केवल एक पक्ष पर मामला दर्ज किया था। जिसके बाद मोहल्ले वासियों ने जामुल थाने का घेरावकर जमकर नारेबाजी की।

फौजी नगर के लोगों ने किया था फैक्ट्री का विरोध

मोहल्ले के लोगों का आरोप था कि फौजी नगर में बस्ती के बीचो-बीच डीआईसी की जमीन अलॉट कर पूजा अग्रवाल जान्हवी इंटरप्राइजेस के नाम से फैक्ट्री का निर्माण कर रही है। मोहल्ले के लोगों ने कहा कि फैक्ट्री बनने से प्रदूषण होगा और उनका यहां रहना मुश्किल हो जाएगा। इसका वो लोग कई दिनों से विरोध कर रहे हैं। मोहल्ले का रहने वाला लड़का अमर साहू फैक्ट्री के बाहर गेट से वीडियो बना रहा था, यह देखकर विनय और प्रमोद अग्रवाल भड़क गए। उन्होंने अपने कर्मचारियों को उसे पीटने के लिए कहा जिसकी तस्वीरें सीसीटीवी में कैद हुई थीं।

विधायक रिकेश ने दिया था आश्वासन

फौजी नगर में फैक्ट्री का मामला जब विधायक रिकेश सेन की संज्ञान में आया तो उन्होंने यहां के लोगों को आश्वासन दिया था। विधानसभा में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि फौजी नगर की उस जमीन पर उद्योग नहीं खुलने थे क्योंकि, वहां पर बड़ी आबादी रहती है, रिहाइशी इलाका है। लोगों ने शिकायत की थी तो मैंने कहा था कि जनता की मांगों को ध्यान में रखकर काम किया जाएगा। उद्योग विभाग ने इस जमीन का आबंटन निरस्त कर दिया है। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने जनहित के इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया और विधानसभा में उद्योग मंत्री ने सभी छ: आबंटन निरस्त करने की घोषणा की है। खबर मिलते ही फौजी नगर और 32 एकड़ क्षेत्र में हर्ष की लहर दौड़ पड़ी है। आबंटन मामले में पूर्व आईएएस अनिल टूटेजा पर गलत तरीके से जमीन आबंटन का आरोप भी लगा था। अग्रवाल समेत कुल छ: लोगों को ऐसा आबंटन किया गया था जिसे आज विधानसभा में उद्योग मंत्री ने निरस्त कर दिया है।

विरोध के बाद भी निर्माण पर अड़े थे उद्योगपति

फौजी नगर और 32 एकड़ रहवासियों के मुताबिक रिहायशी क्षेत्र में उद्योगपति को जमीन आबंटित कर दी गई थी। कई बार उद्योगपति से उस जमीन पर निर्माण न करवाने की मांग कर चुके थे लेकिन उद्योगपति भी अपनी जिद में निर्माण कराने आमादा था। इस जमीन पर जब बाउंड्री वाल निर्माण के लिए रेत, गिट्टी गिरवाई गई तब भी सैकड़ों लोग विरोध में उतर आए थे। इस जमीन के चारों तरफ आवास हैं। पड़ोस के सभी लोगों ने यहां उद्योग स्थापना का विरोध जताया था। विधायक रिकेश सेन ने प्रदर्शनकारियों से ज्ञापन लेकर मामले और आबंटन की जांच कराने का आश्वासन दिया था। दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई, जिसमें जामुल थाना की टीम ने मौके पर पहुंचकर मामला शांत करवाया था। उद्योगपति विनय अग्रवाल ने कुछ लोगों के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई थी। जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में लोग उद्योगपति और जमीन आबंटन करने वाले अधिकारी के खिलाफ नारेबाजी करने लगे. मोहल्ले के लोगों ने निर्माण तत्काल रूकवाने की मांग प्रशासन से की थी।

खास - खबर

पदभार ग्रहण के उपरांत अधिवक्ता संघ की नई टीम ने अपना कार्य प्रारंभ किया

दुर्ग। जिला अधिवक्ता संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियो ने सोमबार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार ग्रहण करने के उपरांत नई टीम ने अपना कार्य प्रारंभ कर दिया है। इसी कड़ी में मंगलवार सुबह 12 बजे अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियों ने संघ की अध्यक्ष नीता जैन के नेतृत्व में दुर्ग कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी व पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला से सौजन्य मुलाकात कर पुष्प गुच्छ से स्वागत किया व उनसे अधिवक्ताओ की समस्याओं के संबंध में चर्चा की कलेक्टर महोदय से पुराना बार रूम नम्बर 4 के लिए पूर्व कार्यकाल के समय छत्तीसगढ़ शासन से स्वीकृत की गई राशि पर शीघ्र कार्य प्रारंभ कराने कलेक्ट्रेट परिसर में अस्थायी शेड में बैठकर विधि व्यवसाय कर रहे अधिवक्ताओ की समस्या सहित अन्य विषयों पर विस्तृत चर्चा की जिस पर कलेक्टर ने समस्याओं का निराकरण करने व स्वीकृत कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित करने का आश्वाशन दिया। वही पुलिस अधीक्षक से मुलाकात के दौरान न्यायालय परिसर मे अधिवक्ताओ के शेड में लगातार पंखे लेबल कुर्सियां की चोरी की शिकायत करते हुए न्यायालय परिसर में रात्रिकालीन समय मे पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था करने व पुलिस चौकी की स्थापना करने की मांग की गई।

संभाग आयुक्त ने जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया

दुर्ग। संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने बुधवार को दोपहर 12 बजे जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय के विभिन्न ओपीडी कक्षों एवं सर्जिकल वार्ड मे दी जा रही सेवाओं की जानाकरी ली। ब्लड बैंक एवं हमर लैब की कार्य प्रणाली और ऑपरेशन थियेटर एवं रेडियोलॉजी विभाग का भी अवलोकन किया। संभाग आयुक्त नें निरीक्षण के दौरान अस्पताल के विभीन्न विभागो मे ई हॉस्पिटल योजना आरंभ किये जाने के लिये विस्तृत प्रस्ताव बनाये जाने के निर्देश दिये, विशेषकर लैब सैंपल कलेक्शन एवं रिपोर्टिंग एरिया का कार्य पूर्णत: ऑनलाईन करने के लिये एक ऑपरेटर पदस्थ किये जाने के भी निर्देश दिये। पब्लिक कैंटीन खोले जाने के भी निर्देश दिये जिससे अस्पताल परिसर में आने वाले मरीज एवं परीजनो को आवश्यक सुविधा मिल सके एवं अस्पताल की आय में भी वृद्धि हो सके।

महापौर ने बजट के लिए मांगे सुझाव

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली का बजट मार्च अंतिम सप्ताह में प्रस्तुत होगा। महापौर शशि सिन्हा ने बजट के पूर्व सभी पार्षदों से सुझाव आमंत्रित किए है। महापौर शशि ने कहा है कि वे सुझाव का पहले अध्ययन करेंगी। क्षेत्र के विकास के लिए बेहतर सुझाव को वे बजट में स्थान देंगी। उन्होंने कहा कि शहर सरकार आम लोगों को मूलभूत सुविधा उपलब्ध करा रही है। यहां नए गार्डन, अस्पताल, कॉलेज की स्थापना की गई है। उनका प्रयास है कि रिसाली को और बेहतर बनाया जाए। यही वजह है कि उन्होंने पार्षदों से सुझाव देने का अनुरोध की है।

बीएसपी द्वारा ग्राम पीपरछेड़ी में चिकित्सा शिविर का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा नि:षुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी क्रम में 21 फरवरी 2024 को ग्राम पीपरछेड़ी में चिकित्सा षिविर का आयोजन किया गया।

पीपरछेड़ी में आयोजित चिकित्सा षिविर में कुल 54 लोगों की जांच करके उनको दवाई वितरण किया गया। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए षिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी जांच के अतिरिक्त नि:षुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। इस षिविर में सीएसआर मेडिकल टीम से चिकित्सक डॉ सैफ अली, फार्मासिस्ट खिलावन कुंभकार, शुगर एवम बीपी परीक्षण के लिए श्रीमती रेखा देव व पंजीयनकर्ता शम्भू तथा विभाग की ओर से बुधेलाल उपस्थित थे।

भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:षुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देष्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए निरन्तर स्वास्थ्य षिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों तथा खनि नगरियों में किया जा रहा है।

कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग में, 15 फरवरी 2024 से आयोजित सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का समापन 21 फरवरी 2024 को किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवाएं) पी के सरकार थे। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) तरुण कनरार, महाप्रबंधक (एसईडी) एस के अग्रवाल एवं और सीओ एवं सीसीडी के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे। मुख्य अतिथि पी के सरकार ने महिला कलाकारों को उनके उत्कृष्ट मंच प्रदर्शन और युवा अधिकारियों द्वारा खूबसूरती से डिजाइन किए गए सुरक्षा खेलों और अन्य शिक्षाप्रद प्रतियोगिताओं के लिए बधाई दी।

तरूण करनार ने बेहतरीन प्रदर्शन के लिए सीओ एंड सीसीडी विभाग को बधाई देते हुए कहा, कि शॉपस् के सभी वर्गों ने एक टीम के रूप में शानदार प्रदर्शन किया है। हमने साबित कर दिया है कि हम कई बाधाओं के बावजूद ''शून्य दुर्घटना'' के लक्ष्य को पूरा करने के लिए अपनी दक्षता के स्तर को बढ़ा सकते हैं। साथ ही उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, कि सीओ एंड सीसीडी टीम आने वाले दिनों और महीनों में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करना जारी रखेगी। एस के अग्रवाल ने कर्मचारियों को अच्छी हाउसकीपिंग बनाए रखने और अपने कार्यस्थलों में जोखिमों को कम करने में अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। विभागीय सुरक्षा अधिकारी एवं महाप्रबंधक बी सी मंडल और एवं महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसीडी) पी एम राजेंद्र कुमार ने सुरक्षा सप्ताह समारोह के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में बीएसपी कर्मचारियों सहित संविदा कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों की भारी संख्या में भागीदारी रही। सुरक्षा जागरूकता सप्ताह के प्रतिभागियों ने चित्र, पेंटिंग, मॉडल, नारे, पोयम, गीत और निबंध के माध्यम से अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित की। सभी कर्मचारियों को प्रेरित करने के लिए सुरक्षा आधारित नाटक, भाषण और व्याख्यान आयोजित किए गए। इस समापन समारोह में अतिथियों एवं वहां उपस्थित व्यक्तियों के समक्ष, विभाग की संविदा महिला कर्मचारियों द्वारा एक सुरक्षा नाटक का मंचन किया गया, तत्पश्चात पुरस्कार वितरण किया गया।

बंगाल इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल सराही गई भिलाई के आकाश की 'बंगाल 1947'

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात नगरी भिलाई में पले-बढ़े फिल्मकार आकाशादित्य लामा की फिल्म 'बंगाल 1947' का चयन प्रतिष्ठित बंगाल इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल कोलकाता के लिए किया गया द्य यह फिल्म 18 फरवरी की शाम सत्यजीत रे फिल्म एंड टेलीविज़न इंस्टीट्यूट ऑफइंडिया, कोलकाता में प्रदर्शित की गई। जिसमें उपस्थित सिनेमा प्रेमियों ने फिल्म की सराहना की।

छत्तीसगढ़ के विभिन्न हिस्सों में फिल्माई गई और ज्यादातर स्थानीय कलाकारों को लेकर बनाई गई 'बंगाल 1947' को अब जल्द ही सिनेमाघरों में देश भर में प्रदर्शित किए जाने की तैयारी है। डायरेक्टर अकाशादित्य लामा ने बताया कि पिछले साल शूटिंग के दौरान यह फ़िल्म 'शबरी का मोहन' का नाम से बनाई जा रही थी लेकिन फिल्म की विषयवस्तु को देखते हुए इसका नाम बदल कर 'बंगाल-1947' रखा गया।

उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय रिलीज से पहले प्रतिष्ठित बंगाल इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल कोलकाता के लिए उनकी फिल्म का चयन होना उनके और उनकी पूरी टीम के लिए खुशी और गर्व का एक मौका है। उल्लेखनीय है कि लेखक और निर्देशक के तौर पर आकाश की फिल्म 'तौबा तेरा जलवा' पिछले महीने जनवरी में रिलीज हुई, जिसमें अमीषा पटेल मुख्य भूमिका में थी।

'बंगाल 1947' के प्रोड्यूसर सतीश पांडे एवं ऋषभ पांडे हैं। यह फिल्म बंगाल विभाजन के दर्द एवं बंग समुदाय के रहन-सहन, वेशभूषा और रीति रिवाजों के साथ बनाई गई है।

जिसकी शूटिंग बस्तर की सुंदर वादियों में चित्रकूट, कांगेर घाटी जगदलपुर एवं परलकोट क्षेत्र के प्राकृतिक दृश्यों के बीच की गई है। वहीं बस्तर क्षेत्र के कई बंग बाहुल्य गांव, इंदिरा कला संगीत विश्विद्यालय, खैरागढ़ महल, कवर्धा, छुईखड़ान और गंडई में भी इस फ़िल्म क़ी शूटिंग हुई है। इस फ़िल्म में छत्तीसगढ़ से ओंकारदास मानिकपुरी उर्फ नत्था, 'बचपन का प्यार' गीत से सोशल मीडिया में चर्चित हुए सहदेव दिरदो, रायगढ़ के स्थापित कलाकार डॉ. योगेंद्र चौबे के अलावा अंकुर अरवम, सुरभि श्रीवास्तव, डॉ अनिल रस्तोगी आदित्य लाखिया, विक्रम सहित कई प्रमुख कलाकारों ने विविध और चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाई है।

महतारी वंदन योजना के तहत बैंक खाते के माध्यम से भुगतान 8 मार्च को

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देशन में दुर्ग जिले की समस्त ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में आवेदन पत्रों को प्राप्त करने से लेकर उनकी डाटा एण्ट्री एवं सत्यापन का कार्य व्यवस्थित रूप से सम्पादित हो रहा है। राज्य शासन की महत्वपूर्ण योजना के रूप में संचालित होने जा रही महतारी वंदन योजना के तहत दुर्ग जिले में अब तक 3,91,109 महिलाओं ने आवेदन किया है जिसमें से 3,18,033 आवेदनों का ऑनलाईन सत्यापन भी किया जा चुका है।

जिला प्रशासन द्वारा इस संबंध में समस्त आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कराते हुए इन आवेदन पत्रों की ऑनलाईन एण्ट्री तथा सत्यापन कार्य पूर्णत: की ओर है। उल्लेखनीय है कि योजना के तहत 21 वर्ष से अधिक उम्र वाली सभी विवाहित, तलाकशुदा, परित्यक्ता तथा विधवा महिलाओं को निर्धारित शर्तों के अधीन 1000 रूपए प्रतिमाह की आर्थिक सहायता उनके बैंक खातों के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी से मिली जानकारी अनुसार डाटा एण्ट्री तथा ऑनलाईन सत्यापन का कार्य संपन्न होने के साथ-साथ महिलाओं द्वारा अपने आवेदन पत्र में बैंक खाते के संबंध में दी गई जानकारियों का मिलान भी नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) से राज्य स्तर द्वारा परीक्षण कराये जाने पर यह पाया गया है कि बहुत सी महिलाओं द्वारा दिये गये बैंक खाते की जानकारी में आधार सीडिंग का मिलान नहीं हो रहा है। साथ ही कई महिलाओं के आधार अपडेटेड नहीं है। राज्य शासन द्वारा इस संबंध में हितग्राहीवार सूची सभी जिलों को प्रेषित कर दी गई है तथा सभी संबंधित हितग्राहियों से त्वरित रूप से बैंको के माध्यम से आधार सीडिंग अपडेट करने की अपील की गई है, ताकि निर्धारित तिथि को उनके आधार सीडिंग बैंक खातों में राशि का निर्बाध भुगतान हो सके। दुर्ग जिले में भी हितग्राहियों की सूची सभी जनपद पंचायतों, नगरीय निकायों तथा परियोजना कार्यालयों में प्रेषित कर दी गई है।

सूची के अनुसार जिन हितग्राहियों के बैंक खाते आधार सीडिंग नही है अथवा उनका आधार नंबर अपडेटेड नही है उन सभी को तत्काल निकट के आधार सेवा केन्द्र अथवा संबंधित बैंको की शाखा में जाकर उपरोक्त कार्य कराने हेतु मुनादी भी कराई जा रही है।

इस संबंध में सभी बैंको एवं आधार सेवा केन्द्रों को समुचित निर्देश भी जारी किये जा चुके है। बैंको में आधार सीडिंग कराने के लिए महिला हितग्राहियों को आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत किये गये बैंक खाते के विवरण के अनुरूप संबंधित बैंक की शाखा में जाकर अपने आधार कार्ड की मूलप्रति, एक नग छायाप्रति तथा बैंक पासबुक प्रस्तुत करना होगा। इसके अतिरिक्त आधार अपडेट कराने के लिए निकट के आधार सेवा केन्द्र में स्वयं का मतदाता परिचय पत्र, राशन कार्ड, बैंक पासबुक की छायाप्रति, जन्म प्रमाण पत्र, वर्तमान आधार कार्ड की मूलप्रति आदि प्रस्तुत करना होगा ताकि इन अभिलेखों के आधार पर आधार अपडेशन का कार्य किया जा सके। कलेक्टर द्वारा इस योजना की प्रगति की नियमित समीक्षा करते हुए सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने हेतु लगातार मार्गदर्शन भी प्रदान किया जा रहा है। राज्य शासन द्वारा महतारी वंदन योजना के तहत महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने हेतु पूर्व में जारी समय सारणी में आंशिक परिवर्तन किया गया है। संशोधित समय सारणी के अनुसार दिनांक 21 से 22 फरवरी तक आवेदन पत्रों का सत्यापन, 23 फरवरी को अनन्तिम सूची जारी की जाएगी तथा 23 से 25 फरवरी तक अनन्तिम सूची पर दावा आपत्ति स्वीकार की जाएगी।

दुर्ग लोकसभा लाभार्थी संपर्क प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी लाभार्थी संपर्क अभियान के लोकसभा दुर्ग के संयोजक ब्रजेश बिचपुरिया ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर लाभार्थी संपर्क अभियान चालू किया गया है जिसमें राष्ट्रीय टीम में एक संयोजक, नौ सदस्य राज्य टीम में एक संयोजक, तीन सह संयोजक इसके बाद लोकसभा की टीम में एक संयोजक, दो सह संयोजक, एक महिला सह संयोजक इसके अलावा मंडल टीम का भी एक संयोजक और एक सहसंयोजक बनाये गए है। इन सभी के लिए अलग अलग कार्यशाला की जा रही है। दुर्ग लोकसभा कार्यशाला में निम्न लोग उपस्थित रहेंगे। लोकसभा प्रभारी ,सह प्रभारी , लोकसभा संयोजक, लोकसभा सहसंयोजक लोकसभा के तीनों जिलों के अध्यक्ष 33 मंडलों के अध्यक्ष और मंडल अभियान समिति सोशल मीडिया एवं आईटी की टीम रहेगी। लोकसभा कार्यशाला 22 फरवरी 2024 को रखी गयी है। इसके अलावा मंडल कार्यशाला में मंडल अध्यक्ष ,मंडल महामंत्री ,मंडल अभियान टीम सम्पर्क करने जाने वाले कार्यकर्ता शामिल होंगे। यह कार्यक्रम 23 फरवरी 2024 को दुर्ग लोकसभा कार्यालय गंजपारा में किया जायगा। जिसमे सभी अपेक्षित कार्यकर्ताओ शामिल होंगे द्य उन्होंने बताया कि लाभार्थी संपर्क अभियान का उद्देश्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से कार्यकर्ताओं द्वारा व्यक्तिगत रूप से संपर्क करना है। प्रदेश में 40 लाख लाभार्थी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950